https://www.facebook.com/jantaunion

जनता यूनियन

झाँसी
गुरुवार, 12 जून 2025
वर्ष 17 अंक 275
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00

www.epaperjantaunion.com

अधिकतम : 41° से.
न्यूनतम : 32° से.

jantaunion@gmail.com

रेलवे ट्रैक पर पूर्व पार्षद के बेटे की...- 3 | महिलाओं,बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, सर्वोच्च...- 8

सार संक्षेप

क्लोव ओरल केयर ने खास तौर पर भारतीयों के लिए बनाया गया टूथपेस्ट और टूथब्रश रेंज लॉन्च किया

नई दिल्ली (जीएनएस)। क्लोव ओरल केयर ने अपने चिकित्सकीय रूप से परखे और खास तौर पर भारतीय अनुकूलित टूथपेस्ट और टूथब्रश की अपनी लाइन लॉन्च करके कंज्यूमर ओरल केयर सेगमेंट में अपनी रणनीतिक शुरुआत की घोषणा की है। यह लॉन्च क्लोव ओरल केयर मिशन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो भारत में निवारक देखभाल और मौखिक स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ाने के लिए दंत चिकित्सक द्वारा परिपूर्ण, समस्या-विशिष्ट समाधान प्रदान करता है जो लाखों लोगों द्वारा अनुभव की जाने वाली वास्तविक दुनिया की दंत समस्याओं का समाधान करता है। उत्पाद क्लोव ओरल केयर वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं, साथ ही चुनिंदा आधुनिक व्यापार और अमेज़न और फ्लिपकार्ट जैसे ई-पोर्टल पर भी उपलब्ध हैं।

क्लोव ओरल केयर की नई रेंज भारत भर में एक दशक से अधिक समय तक दंत चिकित्सा के अभ्यास से प्राप्त जानकारी पर आधारित है। क्लोव के विशेषज्ञों ने भारतीय मौखिक देखभाल की ज़रूरतों के अनुरूप लक्षित उत्पादों की स्पष्ट आवश्यकता देखी, विशेष रूप से ऐसे उत्पाद जो कॉस्मेटिक वादों से परे जाकर संवेदनशीलता, इनेमल क्षरण, शुष्क मुँह और बाल चिकित्सा मौखिक स्वच्छता जैसी स्थितियों का समाधान करते हैं।

भारत के बाद अब किसने खेल-खेल में मार गिराया चीन का जेएफ-17, सामने आए वीडियो को देख जिनपिंग के उड़े होश

बीजिंग (जीएनएस)। भारत ने तो पाकिस्तान में घुसकर चीन के हथियारों की औकात दुनिया को दिखा दी थी।ऑपरेशन के दौरान भारत ने पाकिस्तानी हवाई बेड़े में शामिल एक अमेरिकी एफ-16 और चीन से लिए गए 3 जेएफ-17 तबाह हो गए। मात्र 23 मिनट की कार्रवाई में पाकिस्तान के पैर उखड़ गए। लेकिन इस बार म्यांमार की आर्मी ने भी चीन के लड़ाकू विमान को मार गिराने का दावा किया है। ये तो आपको पता ही है कि म्यांमार में इस वक्त गृह युद्ध चल रहा है। एक तरफ जुंटा सेना है तो दूसरी तरफ कई विद्रोही गुट है। इन विद्रोही गुटों ने म्यांमार के अलग अलग इलाकों पर कब्जा कर रखा है। इन्हीं में से एक विद्रोही गुट आराकान आर्मी है। आराकान आर्मी म्यांमार के रखाइन इलाके पर राज करती है। रखाइन इलाका बांग्लादेश से सीमा साझा करता है।

जासूस ज्योति मल्होत्रा को अभी जेल में ही रहना होगा, कोर्ट ने खारिज की जमानत अर्जी

चण्डीगढ (जीएनएस)। हरियाणा की एक अदालत ने बुधवार को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ज्योति मल्होत्रा को जमानत देने से इनकार कर दिया, जिन्हें पिछले महीने जासूसी के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। हिसार पुलिस ने 16 मई को जासूसी के संदेह में मल्होत्रा ??को गिरफ्तार किया था और बाद में अदालत ने उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। रिमांड पूरा होने के बाद, पुलिस द्वारा उनसे आगे की पूछताछ करने के बाद अदालत ने हिरासत की अवधि चार दिन और बढ़ा दी। 26 मई को अदालत ने उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

3 राज्य के 7 जिलों को मोदी सरकार की बड़ी सौगात, रेलवे की 6,405 करोड़ की दो परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली (जीएनएस)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी के ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के दौरान, परिवहन और रसद लागत को कम करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। आईआईएम बैंगलोर और आईआईएम कलकत्ता के हालिया अध्ययन से पता चलता है कि परिवहन में निवेश से देश की रसद लागत में लगभग 4त्न की कमी आई है। रसद लागत में हर प्रतिशत की कमी का मतलब है कि बहुत अधिक प्रतिस्पर्धी उद्योग होंगे। हम अधिक निर्यात कर सकते हैं। हम उत्पादन लागत कम रख सकते हैं... पिछले 1 साल में परिवहन परियोजनाओं के लिए लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी गई है। यह विकसित भारत के हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी बड़ी भूमिका निभाएगा।

कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भारतीय रेलवे की बल्लारी-चिकजाजुर मल्टीट्रैकिंग परियोजना पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह दोहरीकरण परियोजना 185 किलोमीटर तक फैली है और इसकी लागत 3,342 करोड़ रुपये है। यह मंगलौर बंदरगाह के साथ आंतरिक इलाकों को कुशलतापूर्वक जोड़ेगी। हम मंगलौर की रेलवे कनेक्टिविटी में सुधार के लिए एक मास्टर प्लान बना रहे हैं... यह 29 प्रमुख पुलों वाली एक जटिल परियोजना है... इससे लगभग 13 लाख की आबादी को लाभ होगा... यह लगभग 19 मिलियन टन अतिरिक्त माल की ढुलाई की सुविधा प्रदान कर सकती है, जो हमारे पर्यावरण के लिए अभूतपूर्व रूप से मददगार होगी। यह 101 करोड़ कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को रोकेगा, जो चार करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। इससे हमें देश के 20 करोड़ लीटर डीजल को सालाना बचाने में भी मदद मिलेगी... यह परियोजना कर्नाटक-आंध्र प्रदेश की सीमा पर बल्लारी क्षेत्र में है।

रेलवे लाइन की बढ़ी हुई क्षमता परिवहन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी, जिससे भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता बेहतर होगी। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव रेलवे परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार किए गए हैं। सरकार ने कहा कि ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो स्थानीय लोगों को व्यापक विकास के जरिये 'आत्मनिर्भर' बनाएगी और उनके लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

रेल मंत्रालय ने कहा कि ये परियोजनाएं बहु-आयामी संपर्क के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है। इससे लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध संपर्क सुविधा मिलेगी। मंत्रालय ने कहा, ''झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश राज्यों के सात जिलों को समाहित करने वाली दो परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 318 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी।''

यूक्रेन के 'ऑपरेशन स्पाइडर वेब' का पुतिन ने दिया ऐसा जवाब, आसमान से बरपाया कहर

खारकीव (जीएनएस)। खारकीव में रूस की तरफ से नॉनस्टॉप विनाशक हमला शुरू कर दिया गया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की की तरफ से दो बड़े हमलों का दावा किया है। जेलेंस्की ने कहा कि रिहायशी इलाकों को टारगेट करके किया गया है। एयरस्ट्राइक में कई लोगों की मौत हुई है और 40 से ज्यादा लोग घायल भी हुए हैं। खार्किव के मेयर इहोर तेरेखोव ने चेतावनी देते हुए कहा कि पर दुश्मन के ड्रोनों द्वारा बड़े पैमाने पर हमला किया जा रहा है। कई यूएवी आसमान में शहर की ओर बढ़ रहे हैं। तेरेखोव ने कहा कि हमला सुबह 12:31 बजे शुरू हुआ और नौ मिनट तक चला, जिसमें 17 ड्रोनों ने बहुमंजिला इमारतों, निजी घरों, खेल के मैदानों, उद्यमों और सार्वजनिक परिवहन पर सीधा हमला किया।

यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि 85 शहीद ड्रोन और अन्य प्रकार के ड्रोन ने खारकीव शहर और दूसरे इलाकों को निशाना बनाया।

2015 किनारा रेस्टोरेंट अग्निकांड: 9 साल बाद बॉम्बे हाईकोर्ट से मिला न्याय, परिजनों को बीएमसी देगा 50-50 लाख रुपये

मुँबई (जीएनएस)। कर्तव्यों के निर्वहन में घोर विफलता को उजागर करते हुए बॉम्बे उच्च न्यायालय (एचसी) ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को 2015 में कुर्ला के एक होटल में आग लगने से मरने वाले आठ पीड़ितों के परिजनों को मुआवजे के रूप में 50-50 लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया। हाई कोर्ट ने कार्रवाई करने में बीएमसी की विफलता के कारण, किनारा होटल में अवैधता बेरोकटोक जारी रही और अंततः आग लग गई और जानमाल का नुकसान हुआ। 16 अक्टूबर 2015 को कुर्ला स्थित होटल सिटी किनारा में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई थी। इनमें से सात लोग 18-20 वर्ष की आयु के छात्र थे, तथा आठवां पीड़ित विरार का 31 वर्षीय डिजाइन इंजीनियर था।

हाईकोर्ट पीड़ितों के माता-पिता द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें लोकायुक्त के फरवरी 2017 के आदेश को रद्द करने की मांग की गई थी, जिसमें जांच की मांग करने वाली उनकी शिकायत को खारिज कर दिया गया था। लोकायुक्त ने उनकी याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि प्रत्येक को एक-एक लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है। परिवारों ने मुआवजे की राशि बढ़ाने की मांग की।

न्यायमूर्ति बी पी कोलाबावाला और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला की पीठ ने कहा कि यह चौंकाने वाला है कि बीएमसी को पता था कि होटल के पास अग्निशमन विभाग से अपेक्षित अनुमति नहीं है, फिर भी उसने होटल के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की।

हिंसा के बाद कर्फ्यू लगाया गया, डोनाल्ड ट्रम्प ने लॉस एंजिल्स को आजाद कराने की खाई कसम

लॉस एंजिल्स (जीएनएस)। विरोध प्रदर्शनों और रात में हिंसा की घटनाओं के बीच, लॉस एंजिल्स की मेयर करेन बास ने मंगलवार को शहर के कुछ हिस्सों में रात भर कर्फ्यू लगा दिया, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शहर में अतिरिक्त 2,000 नेशनल गार्ड सैनिकों और मरीन की तैनाती की घोषणा की लॉस एंजिलिस की मेयर कैरेन बास ने मंगलवार को शहर के मुख्य क्षेत्र में ''तोड़फोड़ और लूटपाट को रोकने के लिए'' कर्फ्यू लगा दिया है। बास ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने स्थानीय आपातकाल की घोषणा कर दी है और कर्फ्यू मंगलवार रात आठ बजे से बुधवार सुबह छह बजे तक लागू रहेगा। बास ने कहा कि 23 व्यापारिक प्रतिष्ठानों में लूटपाट के बाद ''हम एक महत्वपूर्ण बिंदु पर पहुंच गए थे।''

कर्फ्यू शहर के मुख्य क्षेत्र के एक वर्ग मील (2.59 वर्ग किलोमीटर) इलाके में लागू रहेगा, जिसमें वह क्षेत्र भी शामिल है जहां शुक्रवार से विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लॉस एंजिलिस के पुलिस प्रमुख जिम मैकडॉनेल के अनुसार, शनिवार से शहर में ''गैरकानूनी और खतरनाक व्यवहार'' की घटनाएं बढ़ रही थी।

जिस तरह भारत की आवाज को आगे बढ़ाया उस पर मुझे गर्व, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात पर बोले मोदी

नई दिल्ली (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सात बहुपक्षीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से मुलाकात की, जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख को उजागर करने के लिए 30 से अधिक देशों की यात्रा पर गए थे। ये बैठकें प्रधानमंत्री के आवास पर एनडीए सरकार के केंद्र में लगातार 11 साल पूरे करने के एक दिन बाद हुई। मोदी ने प्रतिनिधिमंडलों की यात्राओं पर फीडबैक प्राप्त किया, जिसका उद्देश्य 22 अप्रैल को पहलगाम नरसंहार के बाद पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को उजागर करना था।

मोदी ने एक्स पर लिखा कि विभिन्न देशों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से मुलाकात की और शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता तथा आतंकवाद के खतरे को समाप्त करने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। जिस तरह से उन्होंने भारत की आवाज को आगे बढ़ाया, उस पर हम सभी को गर्व है। विभिन्न राजनीतिक दलों के 50 से अधिक सांसदों, राजनयिकों और पूर्व सांसदों वाले सात बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों को 21 मई से 33 देशों में भेजा गया, ताकि पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवादी खतरे को उजागर करने के लिए एकजुट, लोकतांत्रिक मोर्चा बनाया जा सके। सात बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से चार का नेतृत्व सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन के सांसदों ने किया, जिसमें जेडी(यू) और शिवसेना (शिंदे) के प्रतिनिधि शामिल थे।

आप का बड़ा ऐलान, बिहार में सभी सीटों पर लड़ेगी चुनाव, आरजेडी और कांग्रेस को भी दिया बड़ा झटका

पटना (जीएनएस)। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने बड़ा ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी ने सभी सीटों पर पार्टी चुनाव लड़ने का फैसला किया है। आप दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पार्टी ने फैसला किया है कि वह बिहार में सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। गुजरात उपचुनाव के दौरान यह तय हुआ था कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी निर्धारित सीटों पर चुनाव लड़ेंगी, लेकिन आखिरी सीट पर कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ उम्मीदवार घोषित कर दिया। हम बिहार चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ रहे हैं। आम आदमी पार्टी राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठित करने और मतदाताओं तक दिल्ली विकास मॉडल पहुँचाने के लिए बिहार में भी केजरीवाल अभियान चला रही है। आप के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राकेश यादव सात चरणों वाली इस यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत अप्रैल में हुई थी और यह राज्य के अधिकांश भौगोलिक क्षेत्र को कवर कर चुकी है।

कोर्ट ने सोनम और उसके साथियों को आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

नई दिल्ली (जीएनएस)। मेघालय में हनीमून के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या करने की आरोपी सोनम रघुवंशी को आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। शिलांग की जिला एवं सत्र अदालत ने सोनम के चार सहयोगियों को भी आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पूर्वी खासी हिल्स जिले के एसपी विवेक सिम ने बताया कि पुलिस ने सभी आरोपियों की 10 दिन की रिमांड मांगी थी। अदालत ने 8 दिन की पुलिस हिरासत मंजूर की।यूपी के गाजीपुर से गिरफ्तार किए गए सोनम को मंगलवार आधी रात को शिलांग लाया गया। इंदौर से पकड़े गए अन्य आरोपी बुधवार को ट्रांजिट रिमांड पर पहुंचे। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, विशेष जांच दल (एसआईटी) ने सोहरा में अपराध स्थल को फिर से बनाने के लिए आरोपियों की पुलिस हिरासत मांगी थी। उन्होंने कहा कि एसआईटी ने इंदौर से गिरफ्तार किए गए आरोपियों के लिए छह दिन और गाजीपुर से गिरफ्तार किए गए एक व्यक्ति के लिए तीन दिन की रिमांड हासिल की है।

इंदौर निवासी ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी पत्नी सोनम (24) के साथ हनीमून मनाने मेघालय आये थे और इसी दौरान वारदात को अंजाम दिया गया। सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया, जबकि उसके साथियों को राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश रचने में कथित भूमिका के लिए मध्य प्रदेश के इंदौर से गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) ने सोहरा में अपराध स्थल पर घटना की कड़ियां जोड़ने और अपराध का दृश्य दोहराने के लिए आरोपियों की पुलिस हिरासत का अनुरोध किया था।

श्रीलंकाई सेना प्रमुख का भारत दौरा, वॉर मेमोरियल जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली (जीएनएस)। श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी और साउथ ब्लॉक में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर की समीक्षा की, जो भारत और श्रीलंका के बीच मजबूत रक्षा संबंधों को दर्शाता है। पोस्ट में कहा गया समारोहों ने दोनों देशों के बीच साझा सैन्य लोकाचार और सौहार्द को दर्शाया, जो भारत और श्रीलंका के बीच मजबूत और स्थायी रक्षा संबंधों को रेखांकित करता है। इन मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करते हुए, पिछले महीने विदेश मंत्री एस जयशंकर ने श्रीलंका के संसदीय सहयोगियों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की, जो प्राइड क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए भारत आए थे। उन्होंने आतंकवाद की निंदा और पहलगाम हमले के बारे में उनकी सहानुभूति की सराहना की, जो सैन्य जुड़ाव से परे बढ़ते आपसी विश्वास और सहयोग को उजागर करता है।

देखने के लिए पुरी में जुटे लाखों लोग

भगवान जगन्नाथ के स्नान अनुष्ठान की हुई शुरुआत

पुरी (जीएनएस)। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ के औपचारिक स्नान अनुष्ठान को देखने के लिए भक्त पहुंचे थे। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने तीन देवताओं - भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा को औपचारिक पहंडी के साथ स्नान मंडप में लाया गया। इस खास मौके पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों सहित लाखों श्रद्धालु बुधवार को 12वीं सदी के मंदिर परिसर में खुले पंडाल में आयोजित भगवान जगन्नाथ के औपचारिक स्नान अनुष्ठान को देखने आए। मंदिर प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि देवताओं को स्नान मंडप में स्नान कराया जाता है, जो ग्रांड रोड के सामने स्थित एक ऊंचा स्थान है, जहां भक्तों को स्नान अनुष्ठान देखने का अवसर मिलता है। एक अधिकारी के मुताबिक सबसे पहले श्री सुदर्शन को मंदिर से बाहर लाया गया और सुबह 5.45 बजे स्नान वेदी पर ले जाया गया। इसके बाद भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ की मूर्तियों को स्नान वेदी पर ले जाया गया। ये अनुष्ठान सुबह 8.55 बजे पूरा हो गया। इस दौरान पुरी के सांसद संबित पात्रा के साथ मुख्यमंत्री ने उत्तर द्वार के रास्ते मंदिर आए और सुबह की प्रार्थना तथा देवताओं की औपचारिक शोभायात्रा देखी।

देव स्नान पूर्णिमा के नाम से जाना जाने वाला यह त्यौहार ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है और यह वर्ष में पहला अवसर होता है जब लकड़ी की मूर्तियों को जुलूस के रूप में गर्भगृह से बाहर लाया जाता है और स्नान अनुष्ठान के लिए स्नान मंडप में रखा जाता है। इसे भगवान जगन्नाथ का जन्मदिन भी माना जाता है।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मंदिर परिसर में स्थित 'सुनकुआ' से कुल 108 घड़े 'पवित्र जल' बुधवार को दोपहर करीब 12.20 बजे मूर्तियों पर डाला जाएगा। उन्होंने कहा कि पुरी के राजा गजपति महाराज दिव्यसिंह देब दोपहर करीब साढ़े तीन बजे स्नान मंडप की औपचारिक सफाई करेंगे, जिसके बाद देवताओं को गज वेष से सुसज्जित किया जाएगा।मंदिर कैलेंडर के अनुसार, शाम 7.30 बजे से 'सहान मेला' या सार्वजनिक दर्शन की अनुमति होगी। देवताओं को 12वीं शताब्दी के मंदिर में ले जाया जाएगा और स्नान के बाद बीमार पड़ने के कारण उन्हें 14 दिनों तक अनासरा घर में रखा जाएगा। मंदिर के बैद्य हर्बल औषधियों से उनका इलाज करेंगे और देवताओं के सार्वजनिक दर्शन 27 जून को होने वाली वार्षिक रथ यात्रा से एक दिन पहले 26 जून तक नबाजौबन दर्शन तक बंद रहेंगे।

दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में अगले दो दिन, पारा 45 डिग्री रहने की संभावना :मौसम विभाग

नई दिल्ली (जीएनएस)। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन, प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र नई दिल्ली द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में अभी लू चल रही है। मौसम विज्ञान विभाग ने लिए क्लोव ओरल केयर ने खास तौर पर भारतीयों के लिए बनाया गया टूथपेस्ट और टूथब्रश रेंज लॉन्च किया 12 जून के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार 11 जून को अधिकतम तापमान 43 से 45 डिग्री तक रह सकता है, जबकि 12 जून को 42 से 44 डिग्री सेल्सियस तक रहने की आशंका जताई जा रही है। 11 जून को अलग-अलग स्थानों पर गर्म लहर की स्थिति रहेगी, वहीं 12 जून को गर्म और आर्द्र स्थिति रहने की संभावना है। इस बारे में, सीनियर प्रोग्राम लीड, काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) विश्वास चितले ने बताया, काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) की हीट रिस्क इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली गर्मी के सर्वाधिक जोखिम वाले शीर्ष 10 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में शामिल है, जिसके 55 प्रतिशत जिले बहुत उच्च जोखिम श्रेणी में और बाकी जिले उच्च जोखिम श्रेणी में आते हैं। उत्तर भारत में, जहां दिन के दौरान तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक होता है, में पिछले एक दशक में सापेक्षिक आर्द्रता (लगभग 6-9 प्रतिशत) में वृद्धि देखी गई है।

वार्ड नं. 35 बनखण्डी में है समस्याओं का अम्बार

■ अनेकों बार शिकायत के बाद भी नहीं हुई है कोई कार्यवाही ■ अधिकारी कर रहे हैं किसी बड़े हादसे का इंतजार

बनखण्डी मथुरा में जिला कॉपरेटिव बैंके के पासस नाले के किनारे सड़क पर बना डलाबघर

जनता यूनियन मथुरा - (दिनेश आचार्य) नगर निगम के वार्ड नम्बर 35 का बनखण्डी मथुरा शहर का प्रमुख स्थान है। यह क्षेत्र में गरीब एवं मध्यम वर्ग के हर जाति धर्म के लोग रहते हैं। शहर के मध्य में तथा जिला अस्पताल के ठीक पीछे होने के बावजूद यह क्षेत्र नगर निगम तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा अनदेखा रहता है। यहां अनेकों प्रकार की जन समस्यायें हैं। जिनके सम्बन्ध में क्षेत्र के पार्षद, नगर आयुक्त, महापौर, जिलाधिकारी, मुख्यमंत्री को लिखित व पोर्टल पर आन लाईन शिकायते करने के बाद भी कोई निवारण नहीं हुआ है।

बनखण्डी क्षेत्र के वार्ड नं. 35 बनखण्डी के प्रमुख स्थल पुष्पध चौक जहां श्री गिर्राज महाराज का विश्व प्रसिद्ध मंदिर स्थापित है, मंदिर के आस-पास काफी गन्दगी रहती है, कोई भी सफाई कर्मचारी नियमित रूप से सफाई करने नहीं आता है। मंदिर के सामने की पुलिया टूटी हुई है, जिसके कारण नालियों में गन्दगी भरी रहती है, महामारी का डर बना रहता है। गन्दगी के कारण श्री गिर्राज महाराज के भक्तों में काफी आक्रोष है। वार्ड नम्बर 35 का बनखण्डी की प्रमुख समस्याओं में क्षेत्र में नालियों व सड़कों की नियमित सफाई नहीं होती है। क्षेत्र के अनेकों लोगों ने अपने घरों के सीवर के पाईप को सीवर लाईन से न जोड़ कर सीधे नालियों से जोड़ दिया है जिसके कारण क्षेत्रवासियों तथा गुजरने वाले राहगीरों को भयंकर बदबू तथा गन्दगी का सामना करना पड़ता है।

क्षेत्र की दूसरी प्रमुख समस्या है कि जिला कॉपरेटिव बैंक के बराबर नाले के पास नगर निगम के कर्मचारियों ने कूड़े का डलाबघर बना रखा है जहां से बुलडोजर द्वारा कूड़े की निकासी होती है इस प्रक्रिया में पूरी सड़क कूड़े के ढेर से भर जाती है तथा बुलडोजर द्वारा सड़क में दो से तीन फुट गहरा गड्ढा हो गया है जिसमें काफी गन्दगी भरी रहती है, जबकि इस स्थान से कुछ फुट की दूरी पर ही डलाबघर के लिये नगर निगम कोठरी बनी हुयी है उसे नगर निगम के कर्मचारी अपने व्यक्तिगत कार्य के लिये प्रयोग करते हैं।

बनखण्डी क्षेत्र से गुजरने वाला गन्दा नाला जिसकी बाउण्ड्री बॉल नहीं बनी है और यह नाला दस से बारह फुट गहरा है। बारिश के समय में यहा काफी उफान पर पर होता है पता ही नहीं चलता है कि नाला कहां पर है और सड़क कहां पर है? हमेशा हादसे का डर बना रहता है। जिला अस्पताल के पीछे व जिला कॉपरेकटिव बैंक के बाहर वाले नाले की बाउण्ड्री तथा नाले के बराबर की अत्यंत जर्जर सड़क को अतिशीघ्र बनवाने की आवश्यक है।

पूर्व ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने किया यमुना घाट का निरीक्षण, दिए प्लास्टिक मुक्त अभियान को गति देने के निर्देश

जनता यूनियन मथुरा। पूर्व ऊर्जा मंत्री एवं मथुरा-वृंदावन के वर्तमान विधायक श्रीकांत शर्मा ने बुधवार को यमुना घाट पर पहुंचकर प्लास्टिक मुक्त घाट अभियान का निरीक्षण किया। उन्होंने घाट की साफ-सफाई और यमुना तट की स्थिति का जायज़ा लिया।

वहीं उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश दिए ÷मैं साफ शब्दों में कहता हूं – किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। घाटों की सफाई में कोई कोताही नहीं होनी चाहिए।÷

वहीं उन्होंने कहा भाइयों-बहनों, आइए मिलकर यमुना मैया के इस पुनीत कार्य में भागीदार बनें। एक-एक नागरिक अगर संकल्प कर ले कि वह प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेगा,

श्री शर्मा ने स्वच्छता को सेवा और राष्ट्रधर्म बताते हुए कहा स्वच्छ यमुना, समृद्ध मथुरा। यह सिर्फ नारा नहीं, हमारा संकल्प है।वहीं मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने कहा प्लास्टिक न केवल पर्यावरण के लिए घातक है, बल्कि यह हमारी संस्कृति के केंद्र घाटों और तीर्थ स्थलों की गरिमा को भी चोट पहुंचाता है। हमें संकल्प लेना होगा कि घाटों पर प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे और दूसरों को भी जागरूक करेंगे। इस अवसर पर नमामि गंगे प्रकोष्ठ बृज क्षेत्र सहसंयोजक पंकज चतुर्वेदी, नरेश शर्मा बब्बू ,गुड्डु पंडित, अखिलेश मिश्रा , विजय शर्मा, हेमंत खंदौली, कुंज बिहारी भारद्वाज , नितिन चतुर्वेदी ,आशीष शर्मा, माधव शर्मा, अनमोल बिसावर, विवेक शर्मा, राजू पेंटर, सर्वेश चतुर्वेदी,त्रिलोकी व्यास आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

भूगर्भ जल का अति दोहन रोकना जरूरी : सीडीओ

जनता यूनियन मथुरा। उत्तर प्रदेश भूगर्भ जल प्रबंधन परिषद की जिला स्तरीय समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना की अध्यक्षता में मथुरा कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। जिसमें उन्होंने रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम उन सभी व्यावसायिक इकाइयों को लगाने की अनिवार्यता का आदेश दिया जो भूगर्भ जल का अतिदोहन करते हैं। साथ ही भूगर्भ जल रिचार्ज हेतु जिले में नए तालाब खुदवाने की बड़ी योजना पर विचार हुआ और इसके क्रियान्वयन के बारे में गहन चर्चा की गई।

गैर सरकारी सदस्य अजय कुमार अग्रवाल ने बैठक में आर ओ वाटर प्लांटों द्वारा पानी की वेस्टेज का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कुछ इस प्रकार की जानकारी मिल रही है कि आरओ वाटर प्लांट वेस्ट वाटर का आखिर करते क्या है। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने जांच के आदेश दिए।

बैठक में प्रदूषण विभाग,लघु सिंचाई विभाग,विकास प्राधिकरण,जल निगम,कृषि विभाग,उद्यान विभाग,वन विभाग आदि के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रेम नगर में शराब का ठेका बंद हो, सिंचाई को नहरों में छोड़ा जाए पानी

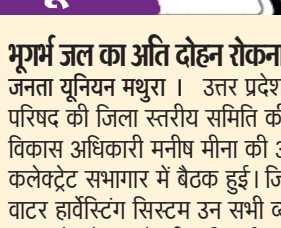

जनता यूनियन मथुरा। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने बुधवार को जनपद के किसानों की जटील समस्याओं के अविलम्ब निस्तारण की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। जिसमें लिखा था कि तहसील मांट के गांव प्रेमनगर में आबादी के क्षेत्र में सरकारी शराब का ठेका है। जिसके कारण गाँव की बहन-बेटियों को घर से बाहर निकलने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस ठेके को अबिलम्ब बंद किया जाए, इसके अलावा किसानों को सिंचाई के लिए नहरों पानी छोड़ा जाए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चौधरी धर्मवीर सिंह, महानगर अध्यक्ष सलीम खान, प्रदेश उपाध्यक्ष बुद्ध सिंह, राजवीर नेताजी, प्रेम सिंह, राजकुमार, मीरा चौधरी, सुशीला देवी, सुमन, प्रियंका, राजवती, मनीषा, पूजा देवी सैकड़ों की संख्या में महिला व पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चयन होने के बाद भी आंगनबाडी कार्यकत्रियों ने नहीं दिया योगदान

जनता यूनियन मथुरा। चयन समिति द्वारा 213 चयनित की गई कार्यत्रियों में से 13 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के द्वारा दो माह बाद भी अपने पद पर योगदान नहीं किया गया। इस पर कार्यवाही करते हुए जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने 13 कार्यकत्रियों की नियुक्ति को निरस्त कर दिया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा ने बताया कि जिनमें परियोजना फरह में लक्ष्मी का बेरी प्रथम केन्द्र, मथुरा ग्रामीण परियोजना में मंजू शर्मा राल, रचना ऊंचागांव, मांट परियोजना में नीलम नगला फारम, रूबी सिद्धार्थ नगर, नंदगांव वार्ड 9 में में नेहा सिंह, मथुरा शहर परियोजना में तन्नूपाल भैंस बहोरा, कच्ची सडक नीजू राजपूत, मनोहरा पुरा बबाना, पियंका यादव भैंस बहोरा 2, राया परियोजना में प्रीति कुशवाह थाना अमर सिंह, बलदेव परियोजना में , कु. ज्योति किलौनी, कु. आशा करनऊ ने मार्च में नियुक्ति होने के बाद उक्त केन्द्रों पर बार बार सूचना दिए जाने के बाद योगदान नहीं दिया। जिस पर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश ने उक्त सभी 13 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के चयन को निरस्त कर दिया है।

बेसिक स्कूलों में 30 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश की अवधि बढ़ाए जाने की मांग

जनता यूनियन मथुरा। परिषदीय विद्यालयों में ग्रीष्मकाल अवकाश 15 जून को समाप्त हो रहा है परंतु, गर्मी का प्रकोप अभी चरम पर है। 16 जून से 30 जून तक गर्मी से राहत मिलने का कोई संकेत नहीं है।उत्तर प्रदेश में इन दिनों भीषण गर्मी ने आम जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित कर रखा है। बढ़ते तापमान और लू की स्थिति ने विशेष रूप से बच्चों के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। ऐसे में परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले छोटे बच्चों के लिए 16 जून से स्कूल खोलने का निर्णय उनके स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा साबित हो सकता है। इस स्थिति को देखते हुए अभिभावकों, शिक्षकों और समाज के अन्य जागरूक लोगों ने ग्रीष्मावकाश को 30 जून तक बढ़ाने की मांग की है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत आज परखम आएंगे

जनता यूनियन मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघ चालक डॉ. मोहन भागवत कल फरह ब्लाक के गांव परखम पहुंचेंगे। वह तीन दिन तक प्रवास करेंगे। उनके आगमन को लेकर आरएसएस के स्वयंसेवक तैयारियों में जुट गए हैं।

परखम में 28 मई से सामान्य वर्ग प्रथम स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण चल रहा है। यह प्रशिक्षण 18 जून तक चलेगा। प्रशिक्षण लेने के लिए तीन प्रांतों के पदाधिकारी यहां पहुंचे हैं। इसमें मेरठ, उत्तराखंड और ब्रज प्रांत के पदाधिकारी शामिल हैं। इन स्वयं सेवकों को को 28 मई से प्रतिदिन पूर्ण गणवेश में योगाभ्यास समेत संघ की अन्य पद्धति का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए संघ प्रमुख बृहस्पतिवार को परखम स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय गो विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र परखम पहुंचेंगे। यहां वह 14 जून तक प्रवास पर रहेंगे। साथ ही प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करेंगे। 18 जून को दीक्षांत समारोह होगा। संघ पदाधिकारियों के साथ-साथ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के लिए प्रशासन भी सतर्क हो गया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा 28 मई से परखम फरह में चल रहे कार्यकर्ता विकास वर्ग- प्रथम का समापन समारोह 17 जून को होगा 18 जून को शिक्षार्थियों का दीक्षांत होने के बाद शिक्षार्थी अपने घरों को प्रस्थान करेंगे।

दूसरी ओर समापन समारोह 17 जून को शाम साढ़े पांच बजे से दीनदयाल गो विज्ञान अनुसंधान केंद्र फरह परखम पर रहेगा। जिसे अखिल भारतीय विमर्श संयोजक मुकुल कानिटकर सम्बोधित करेंगे तथा के एम विश्व विद्यालय मथुरा कुलपति प्रोफेसर डॉ. निर्मल चन्द्र प्रजापति कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

सनातन धर्म रक्षापीठ की बैठक में कॉरिडोर को समर्थन

जनता यूनियन मथुरा। सनातन धर्म रक्षापीठ वृंदावन की एक विशेष बैठक का आयोजन पीठ के संस्थापक अध्यक्ष कथावाचक कौशल किशोर ठाकुर की अध्यक्षता में संत कुटी में किया गया बैठक में प्रमुख रूप से वृंदावन में आने वाले करोड़ो श्रद्धालु भक्तजनों को बिहारी जी के दर्शन में होने वाली परेशानियों और समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया धर्म पीठ की महामंत्री नीतू सिंह चौहान हरसरु ने विचार व्यक्त करते हुए योगी सरकार के द्वारा बांके बिहारी कॉरिडोर का समर्थन करते हुए कहा गया कि मंदिर में कोई हादसा होता है तो सरकार ज़िम्मेदार होती है भगदड़ में मौतें होती हैं तो मुआवजा सरकार देती है लेकिन जब भक्तों को सुगम दर्शन और सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार ने दृष्टिगत रखते हुए मंदिर कॉरिडोर बनाने का निर्णय लिया तब विरोध किस बात का ? उन्होंने कहा कि आज मंदिर कॉरिडोर समय की मांग और भक्तों की जरूरत बन चुका है

ठाकुर द्वारकाधीश जी का हुआ ज्येष्ठाभिषेक

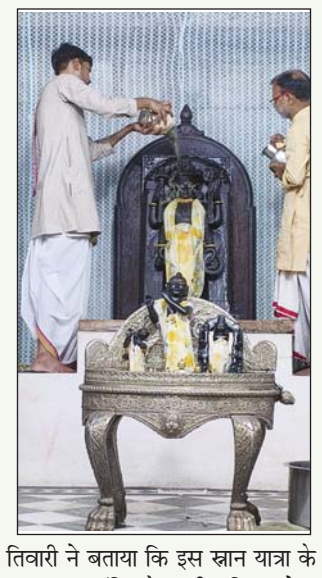

जनता यूनियन मथुरा। पुष्टिमार्ग संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 डॉक्टर वागिश कुमार जी महाराज के द्वारा किया जाता है और उसी के तहत आज शुक्ल पक्ष की पूर्णमासी बुधवार के दिन प्रातः काल 6-30 बजे ठाकुर जी का स्नान यात्रा अभिषेक मंदिर के सेवाधिकारी अजय तेलंग उनके साथियों द्वारा मंत्रोच्चार किया गया स्नान मंदिर के मुखिया सुधीर कुमार व सहयोगी द्वारा कराया गया श्री तिवारी ने बताया कि इस स्नान यात्रा के लिए एक दिन पूर्व यमुना जी से शुद्ध जल मंदिर के सभी मुखिया सेवा वाले अपना सजा कर लाते हैं उसे एकत्रित करते हैं उसके बाद स्नान कराया जाता है जिसे स्नान यात्रा कहते हैं आज स्नान यात्रा की वजह से मंगला दर्शन प्रातःकाल 6 बजे से 6:15 तक हुए और उसके बाद सभी दर्शन नियमित रूप से प्रारंभ रहे।

वृन्दावन में 19 जून को धूमधाम से निकलेगी भगवान परशुराम शोभायात्रा

जनता यूनियन मथुरा। भगवान श्रीपरशुराम शोभायात्रा समिति के तत्वावधान में आगामी 19 जून को नगर में निकलने वाली भगवान परशुराम शोभायात्रा के आमंत्रण पत्र का विमोचन बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ किया गया।आमंत्रण पत्र का विमोचन पूर्व पालिकाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा शर्मा, शोभायात्रा के मुख्य संयोजक आशीष गौतम एवं प्रमुख भाजपा नेता पण्डित योगेश द्विवेदी आदि ने वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य किया।

पूर्व पालिकाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा शर्मा व पंडित द्विवेदी ने कहा कि भगवान परशुराम सर्व समाज के आराध्य हैं।आज उनके आदर्श व्यक्तित्व को जीवन में आत्मसात करने की जरूरत है।

प्रबंधन की तानाशाही के खिलाफ शुरू की भूख हड़ताल

जनता यूनियन मथुरा। इंडियन ऑयल की मथुरा रिफाइनरी के कर्मचारी अपने ही प्रबंधन के खिलाफ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर आज से बैठ गए हैं। कर्मचारी 50-50 फीसद प्रमोशन पालसी में बैक लॉग समाप्त करने से नाराज हैं।

इंडियन ऑयल के चेयरमैन ए. एस. साहनी की सहमति पर इंडियन ऑयल डायरेक्टर एचआर रश्मि गोविल ने भाग लेते हुए इंडियन ऑयल कर्मचारियों की 50-50 प्रमोशन पॉलिसी बैकलॉग को तानाशाही रवैया अपनाते हुए एकतरफा समाप्त करने का इंडियन ऑयल प्रबंधन ने यह निर्णय लिया। इस निर्णय की वजह से इंडियन ऑयल कर्मचारियों ने 11 जून से अनिश्चितकाल के लिए देशभर में भूख हड़ताल शुरू कर दी है। इसी का हिस्सा बनते हुए इंडियन ऑयल कर्मचारियों ने मथुरा रिफाइनरी कर्मचारी संघ के बैनरतले मथुरा रिफाइनरी में भी भूख हड़ताल शुरू कर प्रबंधन के इस निर्णय को तानाशाही प्रबंधन का निर्णय बताया है। जिसकी वजह से मथुरा रिफाइनरी कर्मचारी संघ द्वारा अनिश्चितकाल भूख हड़ताल को भी सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक ही रखा जा रहा है। ताकि कर्मचरियों को भी भूख हड़ताल करने में थोड़ी राहत मिल सके। जबकि अन्य रिफाइनरियों में भूख हड़ताल 24 घंटे अनिश्चितकाल के लिए चल रही है। मथुरा रिफाइनरी में भूख हड़ताल पर बैठे मथुरा रिफाइनरी कर्मचारी संघ के महामंत्री रामकिशन, अध्यक्ष देवेन्द्र चौधरी, फतेह सिंह, हरीश पहल व अन्य पदाधिकारियों सहित मथुरा रिफाइनरी कर्मचारियों ने भूख हड़ताल में भाग लिया।

महोबकंठ की सड़क हुई कीचड़ युक्त, लगा गंदगी का अंबार

स्थानीय प्रशासन की अनदेखी से नागरिक परेशान

महोबकंठ ,महोबा संवाददाता राम लखन सोनी। महोबकंठ बैंक के सामने वाली सड़क पर गंदगी और कीचड़ की भरमार से आमजनजीवन प्रभावित हो रहा है। हाल ही में हुई हल्की बारिश के बाद सड़क पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे कीचड़ फैल गया है। जगह-जगह कचरे के ढेर और नालियों से बहता गंदा पानी न केवल रास्ते को अवरुद्ध कर रहा है, बल्कि दुर्गंध से आसपास के दुकानदारों और राहगीरों का जीना मुश्किल हो गया है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार नगर पंचायत और संबंधित विभाग को शिकायत दी गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। कीचड़ और गंदगी के चलते स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और दुपहिया वाहन चालकों को विशेष रूप से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

103 साल के समाजसेवी का निधन, शव यात्रा में उमड़ी भीड़

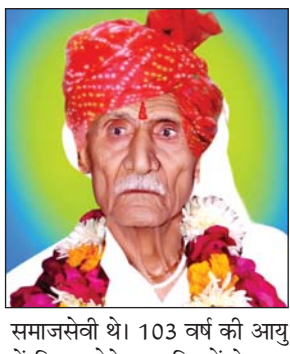

जनता यूनियन मथुरा। तहसील के गाँव भरनाकलां के प्रमुख समाजसेवी ओंकार प्रसाद मिसुर का 103 वर्ष की आयु में निधन हो गया. इसके बाद परिजनों ने उनकी अंतिम यात्रा अनोखे अंदाज में निकाली। परिजनों ने बुजुर्ग के जीवन की अंतिम यात्रा को यादगार और भव्य बनाते हुए उन्हें बरात के रूप में बैंड-बाजे के साथ विदाई दी।

प्रसिद्ध भागवताचार्य राजाराम शास्त्री, रमेश चंद्र शर्मा, प्रेम शंकर शर्मा, राधारमन शर्मा के पूज्य पिता ओंकार प्रसाद मिसुर अपने पीछे नाती, पोते सहित भरा - पूरा परिवार छोड़कर गए हैं। वह गाँव भरनाकलां सहित आसपास के गाँव में सबसे वयोवृद्ध प्रमुख समाजसेवी थे। 103 वर्ष की आयु में निधन होने पर परिजनों ने दादा की अंतिम शव यात्रा को यादगार बनाने के लिए बैंड- बाजा बुलाया। परिजनों ने गाँव भरनाकाला के मुक्तिधाम में मुखाग्नि देकर उनका अंतिम संस्कार किया। शव यात्रा में सेकड़ों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी।

रेलवे ट्रैक पर पूर्व पार्षद के बेटे की लाश मिली

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

झाँसी जयूसं। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के बल्लमपुर रेलवे ट्रैक पर बुधवार सुबह एक 20 वर्षीय युवक की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान नगरा निवासी पूर्व पार्षद बंदना यादव के पुत्र महेन्द्र यादव के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही प्रेमनगर थाना पुलिस व उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक ने संभवतः सुबह करीब 4 बजे ट्रेन से कटकर आत्महत्या की है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और घटना स्थल की गहनता से पड़ताल की जा रही है।

परिजनों ने हत्या कर शव फेंकने का लगाया आरोप

वहीं दूसरी ओर, परिजनों ने महेन्द्र की हत्या का आरोप लगाते हुए कहा कि किसी ने रंजिशन उसकी हत्या कर शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया है। परिजनों ने कुछ विपक्षी लोगों पर हत्या की आशंका जताई है। परिजनों के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने मामले की बारीकी से जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी प्रेमनगर और बिजौली चौकी प्रभारी मौके पर मौजूद रहकर जांच कर रहे हैं।

पुलिस बोली – हर पहलू से होगी जाँच

सीओ लक्ष्मीकांत गौतम ने बताया कि रेलवे ट्रैक पर शव मिलने की सूचना पर तत्काल पुलिस ने पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया, पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस मामले में हर पहलू पर जांच की जा रही है।

सौरभ आनंद भारतीय हॉकी टीम में शामिल

झांसी जयूसं। नगर की एक और युवा खेल प्रतिभा को अपनी प्रतिभा की दम पर भारतीय जूनियर हॉकी टीम में जगह मिली है। अग्रिम पंक्ति के सौरभ आनंद कुशवाहा की 21 से 25 जून तक जर्मनी के बर्लिन शहर में आयोजित होने वाले 4 देशों के बीच होने वाली हॉकी प्रतियोगिता में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।टीम इंडिया की कमान फॉरवर्ड अरिजीत सिंह हुंदल को सौंपी गई है।

हॉकी इंडिया ने मंगलवार को टीम की घोषणा की।

टीम में सौरभ आनंद का नाम देख कर झांसी नगर के हॉकी प्रेमी झूम उठे।भारतीय टीम के अलावा इस प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया,जर्मनी, स्पेन होगी।यह प्रतियोगिता इसी वर्ष के नवंबर माह में भारत में आयोजित होने वाले जूनियर पुरुष हॉकी विश्वकप की तैयारियों के लिहाज से मुरीद माना जा रहा है।सौरभ इससे पूर्व मस्कट में आयोजित जूनियर एशिया कप की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय जूनियर हॉकी टीम में भी रहे हैं।

दो मासूम बच्चों की माँ प्रेमी संग फरार

पति और बच्ची ने कोतवाली में लगाई गुहार

झांसी जयूसं। मऊरानीपुर कोतवाली क्षेत्र में दो मासूम बच्चों की माँ अपने प्रेमी संग फरार हो गई। महिला अपने मायके आई थी और वहीं से अपने प्रेमी के साथ बच्चे को लेकर रफूचक्कर हो गई। मामले को लेकर पीड़ित पति नेअपनी छोटी बेटी के साथ कोतवाली पहुंच कर पत्नी की बरामदगी की गुहार लगाई है।

मऊरानीपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बसरिया निवासी जीतू ने कोतवाली प्रभारी को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए बताया कि उसकी बेटी मायकेआई थी। लेकिन शाम होते-होते वह घर नहीं लौटी। परिजनों ने जब तलाश की तो पता चला कि ग्राम पिपट, जिला छतरपुर निवासी एक युवक उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। पीड़ित ने बताया कि उसकी बेटी की शादी ग्राम महेबा, थाना चंदेरा, जिला टीकमगढ़ में हुई थी। उसके दो छोटे-छोटे बच्चे भी हैं। हैरानी की बात यह रही कि महिला अपने साथ सिर्फ छोटे बेटे को लेकर गई, जबकि बेटी को वहीं छोड़ गई।

घटना की जानकारी होने पर जब पति अपनी पत्नी को ससुराल ले जाने आया, तो उसे हकीकत का पता चला। पत्नी के फरार होने की सूचना पर पति अपनी मासूम बच्ची को साथ लेकर मऊरानीपुर कोतवाली पहुंचा और पत्नी की तलाश कराने की गुहार लगाई। पीड़ित पति का आरोप है कि उसकी पत्नी घर से नगदी, सोने-चाँदी के जेवर और छोटे बेटे को लेकर अपने प्रेमी संग फरार हो गई है। महिला के माता-पिता भी इस घटना से आहत हैं और दामाद के साथ अपनी बेटी को तलाशने में जुटे हुए हैं।

कोतवाली में मासूम बच्ची भी अपनी माँ की तलाश में इधर-उधर देखती रही। बच्ची ने रोते हुए कहा, साहब मेरी माँकिसी के साथ चली गई, मुझे अपनी माँचाहिए। इस पूरे मामले को लेकर पुलिस ने प्रार्थना पत्र लेकर जांच शुरू कर दी है और महिला की तलाश की जा रही है।

मानवता के सच्चे पथ प्रदर्शक थे, संत कबीर

झांसी जयूसं। आज वीरांगना झलकारी बाई भारत कोरी समाज के कार्यालय पर सचिव अमीर चंद आर्य की अध्यक्षता में महान समाज सुधारक व कवि सद्गुरु कबीर साहेब का प्राकटय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये वक्ताओं ने कहा कि पंद्रहवी सदीं में जब सम्पूर्ण देश में अंधविश्वास,पाखंड, छूआछूत जैसी अनेक सामाजिक विषमताओं का बोलबाला था। उस समय इन सामाजिक बुराईयों के विरुद्ध शंखनाद करने वाले इस सूफी संत ने ढाई आखर प्रेम का का उद् घोष करके अपनी वाणी और कर्म के माध्यम से मानव समाज को सत्य प्रेम और भक्ति की राह पर चलने का मार्ग दिखलाया।कबीर निराकार ईश्वर के उपासक और सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे।

गोष्ठी में बालकृष्ण राज, जितेन्द्र वर्मा, जुगल किशोर, राहुल वर्मा, बृजमोहन वर्मा, पवन शाक्य , आकाश व अंकित आदि ने विचार व्यक्त किये।

न्यूज ब्रीफ

पति की अनुपस्थिति में घर आने से किया मना, दबंगों ने पीट-पीटकर किया लहूलुहान

झाँसी जयूसं। शहर में एक युवक ने अपने दूर के रिश्ते में जीजा लगने वाले व्यक्ति को अपनी अनुपस्थिति में घर आने-जाने से रोका, तो बात इस कदर बढ़ गई कि उस दबंग व्यक्ति ने अपने साथियों के साथ युवक को बेरहमी से पीट-पीटकर मरणासन्न हालत में छोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। घायल को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

यह मामला नवाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम मैरी का है। जानकारी के मुताबिक चिरगांव निवासी जितेंद्र पाल झाँसी में एक्स-रे का काम करता है। उसकी गैरमौजूदगी में उसका एक रिश्तेदार, जो रिश्ते में उसका जीजा लगता है और अंबाबाई का रहने वाला है, अक्सर उसके घर आता-जाता था। इसी बात को लेकर जितेंद्र ने उसे मना किया था, लेकिन यह बात उस दबंग व्यक्ति को नागवार गुज़री। बीते रोज जितेंद्र को उसने ग्राम मेरी बुलाया, जहां पहले से मौजूद दबंग और उसके कुछ साथियों ने लाठी-डंडों से उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। मारपीट इतनी जबरदस्त थी कि जितेंद्र मरणासन्न हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुँची पुलिस ने घायल को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहाँ उसका इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक, घटना की तहरीर लेकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस घटना के बाद पीड़ित परिवार और इलाके में दहशत का माहौल है।

देशी शराब से भरी लोडर में बस ने मारी टक्कर, शराब लूटने की मची होड़, वीडियो वायरल

झाँसी जयूसं। मऊरानीपुर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे झाँसी-खजुराहो मार्ग पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब गुरसरांय जा रही सवारियों से भरी एक बस ने देसी शराब से लदी लोडर में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि लोडर असंतुलित होकर सड़क किनारे पलट गयीऔर उसमें भरी देसी शराब की पेटियां सड़कों पर बिखर गईं।

घटना स्थल पर देखते ही देखते शराब की पेटियां गिरती देख आस-पास के लोग और राहगीर वहां जमा हो गए। कुछ ही देर में शराब की बोतलें लूटने की होड़ मच गई। लोग पेटियां और बोतलें उठाकर भागने लगे। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

हादसे के बाद मौके पर पहुंचे राहगीरों ने पलटे हुए लोडर को खड़ा किया। गनीमत रही कि लोडर चालक को किसी प्रकार की गंभीर चोट नहीं आई। वहीं, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को वहां से हटाया। पुलिस के अनुसार, घटना की जांच की जा रही है। शराब की पेटियों की संख्या और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। वहीं वायरल हो रहे वीडियो के आधार पर शराब लूटने वालों की पहचान कर उन पर कार्रवाई की बात कही जा रही है।

भीषण गर्मी से तालाब में मछलियों की मौत

झांसी जयूसं। भीषण गर्मी ने इंसानों के साथ-साथ जीव-जंतुओं को भी बेहाल कर दिया है। तापमान का प्रकोप इतना बढ़ गया है कि अब जलाशयों में रहने वाले जलजीव भी इसकी चपेट में आने लगे हैं। झांसी के रक्सा थाना क्षेत्र के पुनावली कला गांव से ऐसा ही एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। गांव के तालाब में सैकड़ों मछलियों की मौत हो गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, झांसी में तापमान लगातार 45 डिग्री सेल्सियस के पार चल रहा है। इस भीषण गर्मी में जल स्रोतों का जलस्तर तेजी से घट रहा है और जो पानी बचा है वह भी इतना गर्म हो गया है कि उसमें रहने वाले जीव-जंतु दम तोड़ने लगे हैं। पुनावली कला गांव के लोगों ने जब तालाब के किनारे सैकड़ों मरी हुई मछलियों को देखा तो दंग रह गये। ग्रामीणों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से गांव के तालाब का पानी कम होता जा रहा था और तेज धूप से उसका तापमान भी काफी बढ़ गया था। गर्म पानी में मछलियों का जीना मुश्किल हो गया और वे दम तोड़ने लगीं। ग्रामीणों ने बताया कि पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन इस बार हालात बेहद गंभीर नजर आ रहे हैं। प्रशासन से जलस्तर बढ़ाने और सफाई की मांग ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि तालाब में पानी की आपूर्ति कराई जाए और मरी हुई मछलियों को जल्द से जल्द हटाकर सफाई कराई जाए, ताकि पानी में किसी तरह की बीमारी न फैले।

अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रासिंग जागरूकता सप्ताह

नियमों का पालन अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें

झाँसी जयूसं। अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रासिंग जागरूकता सप्ताह के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा के निर्देशन में उत्तर मध्य रेलवे के झाँसी मंडल द्वारा मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों एवं समपार फाटकों पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान संरक्षा विभाग द्वारा नुक्कड़ नाटकों, सेफ्टी सेमिनार, पम्पलेट एवं पोस्टर वितरण सहित विभिन्न जन जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य आम जनता को समपार फाटकों पर सुरक्षित व्यवहार अपनाने हेतु प्रेरित करना तथा रेल हादसों की रोकथाम करता रहा। वहीं, डबरा स्टेशन स्थित समपार फाटक क्र. 394/ङ्ग पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आम जनता को फाटकों पर होने वाली संभावित दुर्घटनाओं से बचने के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर पम्पलेट एवं पोस्टर भी वितरित किए गए। इसी क्रम में बांदा रेलवे स्टेशन पर एक सेफ्टी सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी अनिल कुमार मिश्रा, संरक्षा सलाहकार (लोको) के.के. द्विवेदी एवं संरक्षा विभाग के कुल 33 कर्मचारियों ने सहभागिता की। सेमिनार में रेलवे समपार फाटकों पर सुरक्षा मानकों का पालन करने की महत्ता पर चर्चा की गई। सप्ताह भर चले इस जागरूकता अभियान के अंतर्गत मंडल के विभिन्न समपार फाटकों पर संरक्षा विभाग द्वारा जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें आम नागरिकों को समपार फाटकों पर सतर्कता और नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया। उत्तर मध्य रेलवे, झाँसी मंडल आम जनता से अपील करता है कि समपार फाटकों पर पूरी सावधानी बरतें, निर्धारित नियमों का पालन करें एवं अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें।

कार, मकान की मांग पूरी न होने व बेटी को जन्म दिए जाने पर घर से निकाला

झांसी जयूसं। पुलिस महकमे में तैनात पति व उसके परिजनों द्वारा कार , मकान की मांग पूरी नहीं किए जाने तथा बेटी को जन्म दिए जाने पर मासूम बच्ची सहित निकाले जाने पर पीड़िता ने कार्यवाही की गुहार लगाई है।

बाहर बड़ागांव गेट निवासी श्रीमती वर्षा ने डीआईजी,एसएसपी के साथ ही राज्य महिला आयोग की सदस्य को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसके पिता ने 17 लाख रुपए नगद, लाखों के जेवरात व अन्य सामान शादी में दिया था। विवाह के कुछ दिन बाद ही पति,सास -ससुर,जेठ - जेठानी,देवर, ननदो ने मायके से कार व मकान दिलाने की मांग पूरी नहीं होने पर गाली-गलौच, मारपीट कर तरह- तरह से उत्पीड़न शुरू कर दिया। इसी बीच बेटी को जन्म दिए जाने पर तो मानो पहाड़ ही टूट पड़ा। बताया कि 24 दिसंबर को पति उसे बेटी सहित जबरन मायके में छोड़ गया और उसके पिता को धमकी दी कि कार व मकान की मांग पूरी होने पर ही वह ससुराल में खुशहाल रह सकेगी। पीड़िता ने बताया कि पुलिस विभाग में कार्यरत होने के कारण पति द्वारा तरह तरह से डरा धमकाकर दूसरी शादी की धमकी भी दी जा रही है, उसने पति व ससुरालियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

110 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से स्पीड ट्रायल किया

नव विद्युतीकृत , दोहरीकृत रेल लाइन पर कर्षण वितरण प्रणाली का निरीक्षण

झांसी जयूसं। झांसी मंडल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी - मानिकपुर खंड के अंतर्गत में नव विद्युतीकरण एवं दोहरीकरण टेहरका - बरुआसागर खंड का उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य बिजली इं., यतेन्द्र कुमार द्वारा सघन निरीक्षण किया गया। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान रेलवे के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की गहन जांच की गई, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी सिस्टम सुचारू रूप से कार्यरत हैं और निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन हो रहा है।

निरीक्षण के दौरान निरीक्षण यान एवं टावर वैगन की सहायता से बिजली कर्षण प्रणाली से जुड़े विभिन्न इंस्टॉलेशन, समपार फाटक ,स्विचिंग पॉइंट्स, खंभे, ओवरहेड इलेक्ट्रिक , वायरिंग, और अन्य सभी आवश्यक उपकरणों की बारीकी से परख की गई। इस प्रक्रिया में सभी उपकरणों की कार्यकुशलता की जांच करते हुए, उन्हें आवश्यकतानुसार संचालित कर उनकी प्रभावशीलता का आकलन किया गया। सुरक्षा मानकों की सुनिश्चितता के पश्चात् 110 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से स्पीड ट्रायल किया गया, जिससे रेल परिचालन की विश्वसनीयता और संरक्षा की पुष्टि की जा सके। इस खंड पर रेल संरक्षा आयुक्त का निरीक्षण 12 और 13 जून को किया जाना है। निरीक्षण के पश्चात् रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा अनुमति प्रदान के उपरांत इस खंड पर रेल संचालन शुरू होगा। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान कई वरिष्ठ अधिकारी एवं रेलवे स्टाफ उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर/निर्माण डी.बी.सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) पी. पी. शर्मा, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/ निर्माण आर आर लाज़ारस ,वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर /ओपी शिवम श्रीवास्तव , वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर / सामान्य ए.पी. गौतम, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर / टीआरडी सतबीर सिंह , वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं टेलिकॉम इंजीनियर नरेन्द्र सिंह, वरिष्ठ विद्युत इजीनियर/निर्माण वीरेंद्र कुटार, सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी ए.के. मिश्र , सहित निर्माण विभाग के अन्य अधिकारी एवं तकनीकी स्टाफ, निरीक्षक तथा पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

यूनीफाइड पेंशन स्कीम जागरुकता शिविर का आयोजन

झांसी जयूसं। मंडल रेल प्रबंधक के निर्देशन तथा वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार शर्मा के मार्गदर्शन एवं मंडल कार्मिक कार्मिक अधिकारी अरुण सिंह तोमर के दिशानिर्देशों तथा कार्मिक एवं लेखा शाखा के समन्वय से ग्वालियर स्टेशन पर यूनीफाइड पेंशन स्कीम जागरुकता शिविर आयोजित किया गया ।

ग्वालियर स्टेशन, टीआरडी इलेक्ट्रिक, सिग्नल, परिचालन एवं वाणिज्य अनुभाग हेतु विभिन्न विभागों एवं स्टेशन प्रबंधक कार्यालय ग्वालियर में प्रातः09.30 बजे से जागरुकता शिविर आयोजित किया गया जिसमें लगभग 95 कर्मचारियों ने अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की । जागरुकता शिविर के दौरान उपस्थित कर्मचारियों को विस्तार से यूनीफाइड पेंशन स्कीम के बारे में जानकारी प्रदान की गई तथा कर्मचारियों के मध्य यूनीफाइड पेंशन स्कीम के सम्बंध में विध्यमान प्रचलित मिथकों को दूर करने का प्रयास किया गया । कर्मचारियों को यूनीफाइड पेंशन स्कीम के तहत 50 प्रतिशत गारंटीड पेंशन, सेवा समाप्ति पर प्राप्त होने वाले परिलाभों, सेवानिवृत्ति पर मिलने वाले लमसम भुगतान, 60 प्रतिशत परिवार पेशन, मंहगई भत्ते की गारंटी इत्यादि परविस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान कर्मचारियों को यू.पी.एस विकल्प फार्म भी वितरित किए गये । शिविर में प्रमुख रूप से मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक वी.एस. कंसाना, मनोज शर्मा एवं लेखा विभाग से लेखा सहायक आशाराम उपस्थित रहे तथा अन्य विभागीय पर्यवेक्षकों द्वारा भी प्रतिभागिता सुनिश्चित की गई ।

झांसी के एडवोकेट की भदोही में एक्सीडेंट में मौत

पहिया फटने से कार हाइवे किनारे रेलिंग में टकराई, बेटा समेत 3 घायल

झाँसी जयूसं। झांसी के एक एडवोकेट की सड़क हादसे में मौत हो गई। वो परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर गए थे। पहिया फटने से कार हाइवे किनारे रेलिंग में टकरा गई। हादसे में उनका मासूम बेटा समेत 3 लोग घायल हो गए। हालांकि उनकी स्थिति खतरे से बाहर है। हादसा भदोही में हुआ है। परिवार के लोग शव लेकर झांसी आ गए। अब यहां पुलिस पंचनामा भरकर शव का पोस्टमार्टम करवा रही है।

मृतक का नाम प्रशांत पिपरिया (43) था। वह महाराणा प्रताप नगर पिछोर के रहने वाले थे। उनके पिता कृष्णानंद पारीछा पावर प्लांट में सहायक अभियंता के पद से रिटायर्ड हैं। मृतक के साले सौरभ शर्मा ने बताया कि बहनोई प्रशांत अपने परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर गए थे। पहले चित्रकूट गए और फिर वहां से प्रयागराज चले गए। मंगलवार को घर लौटते वक्त भदोही के पास कार का पिछला पहिया फट गया। इससे कार असंतुलित होकर हाइवे किनारे रेलिंग से टकरा गई। हादसे में प्रशांत की मौत हो गई। वहीं, उनकी पत्नी पारुल, 10 साल का बेटा राघव, बहन प्रति घायल हो गई। इलाज के बाद सभी को डिस्चार्ज कर दिया गया।

प्रशांत की मौत के बाद परिजन शव लेकर झांसी आ गए। यहां पुलिस पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई करवा रही है। प्रशांत की एक बेटी राघवी और एक बेटा राघव है। दोनों बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर पुदीना

- सेवन से तन व मन को न केवल ठंडक का अहसास बल्कि तरोताजा रखने में भी मददगार
- चटनी, रायता, जूस या सलाद के रूप में खाने से भी गर्मी का असर कम

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। गर्मियों की चिलचिलाती धूप और तपन में ठंडक का अहसास देने के लिए हरी और छोटी पत्तियां बहुत लाभदायक हैं। यहां हम बात कर रहे हैं पोषक तत्वों से भरपूर पुदीना की, जिसके सेवन से तन और मन को न केवल ठंडक का अहसास होता है, बल्कि यह हमें तरोताजा रखने में भी मददगार है।

पोषक तत्वों से भरपूर पुदीना का सेवन गर्मियों में खास तौर से फायदेमंद होता है। यह न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है, बल्कि सेहत के लिए भी वरदान है। इसकी ठंडक और ताजगी भरी खुशबू शरीर को राहत देती है और कई स्वास्थ्य समस्याओं से भी बचाने में मददगार है। विशेषज्ञों के अनुसार, पुदीना गर्मियों में ठंडा-ठंडा कूल-कूल रखने का सबसे आसान और प्राकृतिक उपाय है। पुदीना में मौजूद मेंथॉल शरीर को ठंडक प्रदान करता है। इसे चटनी, रायता, जूस या सलाद के रूप में खाने से भी गर्मी का असर कम होता है।

अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, पुदीना में स्वास्थ्य के लिए कई लाभकारी गुण पाए जाते हैं। यह कैंसर जैसे इलाज में भी फायदेमंद है। इसके साथ ही यह मोटापा को कम करने, रोगाणुरोधी, सूजन-रोधी, मधुमेह से राहत में बचाव और हृदय की सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं।

पुदीना से प्राप्त फाइटोकेमिकल्स कई कैंसर जैसे गर्भाशय ग्रीवा, फेफड़े, ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में फायदेमंद है। आयुर्वेदाचार्य के अनुसार, 'पुदीना गर्मियों में शरीर का तापमान नियंत्रित करता है और पसीने की दुर्गंध को भी कम करता है। इसे सुबह खाली पेट पानी के साथ लेने से दिनभर ताजगी बनी रहती है। लोगों में पुदीने की मांग गर्मियों में बढ़ जाती है।

पुदीना के गुणों पर नजर डालें तो यह पाचन को बेहतर बनाता है और गर्मियों में होने वाली अपच, गैस और एसिडिटी की समस्या से राहत देता है। यह पेट को हल्का रखता है और भूख बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा, पुदीना का पानी पीने से डिहाइड्रेशन से बचा जा सकता है, जो गर्मियों में आम समस्या है।

'स्वाद में हिट' और त्वचा निखारने में 'सुपर हिट' आम

- बीटा-कैरोटीन नामक एंटीऑक्सिडेंट त्वचा को चमकदार रखने में मदद
- मैग्नीशियम, कैल्शियम और विटामिन ए, बी, सी और ई की अच्छी मात्रा

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। गर्मियों का मौसम आते ही बाजार में आम की बहार छा जाती है। आम न सिर्फ स्वाद में बेहतरीन होता है, बल्कि इसमें कई ऐसे गुण होते हैं, जो हमारी त्वचा को चमकदार और ताजगी से भर देते हैं। गर्मियों में जब त्वचा बेजान और रूखी हो जाती है, तब आम उसमें निखार लाने में मदद करता है। स्वाद और सौंदर्य का बेहतरीन मेल है आम, जो गर्मियों को खास बना देता है। अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, आम में कुछ खास पोषक तत्व ज्यादा मात्रा में होते हैं, जो त्वचा के लिए काफी गुणकारी हैं। बीटा-कैरोटीन नामक एंटीऑक्सिडेंट त्वचा को चमकदार और स्वस्थ रखने में मदद करता है। वहीं फिनोलिक एसिड त्वचा को बाहरी नुकसान, जैसे धूप और प्रदूषण से बचाता है। इसके अलावा, इसमें एस्कॉर्बिक एसिड होता है, जो त्वचा को नमी देता है और उसे जवान बनाए रखता है।

आम में एक खास तत्व पाया जाता है, जिसे मैंगिफेरिन कहा जाता है। यह एक प्राकृतिक यौगिक है, जो सूजन को कम करने और सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से त्वचा की रक्षा करने के लिए जाना जाता है। यह त्वचा को ढीला होने और झुर्रियां पड़ने से बचा सकता है।

आम के मौजूद गुण अभी और बाकी हैं! इसमें कुछ खास तरह के प्राकृतिक रसायन पाए जाते हैं, जिन्हें 'फिनोलिक एसिड' कहते हैं। इनमें मुख्य 'गैलिक एसिड', 'क्लोरोजेनिक एसिड', 'प्रोटोकैटेच्युइक एसिड', 'वेनीलिक एसिड' होते हैं। ये सभी त्वचा के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। एक रिसर्च में देखा गया कि गैलिक एसिड से त्वचा लचीली बनती है। वहीं क्लोरोजेनिक एसिड, जो कॉफी में भी पाया जाता है, उसे नियमित रूप से लेने से जापानी महिलाओं में धूप से होने वाले काले दाग कम दिखे।

आम के फल के साथ-साथ इसके पत्ते भी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स, नाइट्रोजन, पौटेशियम, फॉस्फोरस, आयरन, सोडियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम और विटामिन ए, बी, सी और ई की अच्छी मात्रा होती है। आम के पत्तों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा की देखभाल में खास भूमिका निभाते हैं। ये पत्ते सूरज की तेज किरणों, प्रदूषण और फ्री रेडिकल्स से त्वचा को होने वाले नुकसान से बचाते हैं।

'जुड़वां जाल' में अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए देखी फिल्म 'सीता और गीता' : मोनालिसा

मुंबई, 10 जून (एजेंसियां)। जानी-मानी अभिनेत्री मोनालिसा अपने आने वाले प्रोजेक्ट 'जुड़वां जाल' में दो अलग-अलग किरदार निभाने वाली हैं। इस चुनौतीपूर्ण किरदार को बेहतर तरीके से निभाने के लिए उन्होंने पुरानी हिट बॉलीवुड फिल्मों जैसे 'जुड़वां', 'सीता और गीता' और 'चालबाज' दोबारा देखी। आने वाली मनोरंजक क्राइम थ्रिलर सीरीज में, मोनालिसा अनामिका और उसकी अलग हो चुकी जुड़वां बहन शुचि की दोहरी भूमिकाएं निभा रही हैं। अपने किरदारों को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि अनामिका और शुचि की भूमिका निभाना मेरे लिए सबसे मुश्किल, लेकिन उन चुनौतियों में से एक है, जो मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। दोनों किरदार एक-दूसरे से बेहद अलग हैं, एक रहस्यमयी और छुपा हुआ, दूसरा न्याय और दुख से भरा।

'नजर' सीरियल की एक्ट्रेस ने कहा कि इन किरदारों को निभाने के लिए, मैंने 'जुड़वां', 'सीता और गीता' और 'चालबाज' समेत कई सीरीज और फिल्में देखीं, जो डबल रोल पर आधारित हैं। इन फिल्मों को देखकर मैंने दोहरी भूमिका निभाने की कला को बारीकी से समझा। मैं अपने परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने के लिए शीशे के सामने अपने डायलॉग्स की प्रैक्टिस करती थी। शूटिंग शुरू होने से पहले मैं थोड़ी नर्वस थी, लेकिन किरदार की चुनौतियों ने मुझे एक अभिनेता के तौर पर आगे बढ़ाया। अब मैं दर्शकों को इस सस्पेंस भरे सफर का अनुभव कराने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती।

'जुड़वां जाल' का प्रीमियर 12 जून को हंगामा ओटीटी पर होने वाला है। इस सीरीज में मोनालिसा के अलावा अंकित भाटिया, पलक सिंह और कई अन्य कलाकार अहम भूमिका में हैं।

मोनालिसा, जिनका असली नाम अंतरा बिस्वास है, ने भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में 'रणभूमि', 'हम हैं खलनायक', 'जाड़े में बलमा प्यारा लगे', 'नथुनिया पे गोली मारे', 'देवरा बड़ा सतावेला', 'पॉकेट गैंगस्टर्स' और 'पवन राजा' जैसी कई अन्य फिल्मों से अपनी पहचान बनाई। अपने फिल्मी करियर के अलावा, वह 'लाल बनारसी', 'बेकाबू', 'नमक इश्क का' और 'माता की महिमा' समेत कई टीवी शो में भी दिखाई दीं। उन्होंने डांस रियलिटी शो 'नच बलिए 8' में भी हिस्सा लिया।

कड़वे-कड़वे मेथी दाने में छिपी है मिठास

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। लगभग हर भारतीय रसोई की जान है मेथी दाना। कढ़ी हो या फिर कोई सब्जी इसकी बघार बिना बात नहीं बनती। चटपटे अचार की कल्पना तो इसके बगैर की ही नहीं जा सकती। खैर इन्हीं पीले से दिखने वाले कड़वे दानों में सेहत का खजाना छिपा है। दादी मां के नुस्खों में इसे खासतौर पर शामिल किया जाता है। पारम्परिक चिकित्सा पद्धति ही नहीं बल्कि मॉर्डन पैथी भी इसका लोहा मानती है।

चरक संहिता में मेथी को 'कुंचिका' नाम दिया गया है। एक श्लोक है- 'कुंचिका वात-कफापहं, रसना-रति-जनकम्। रोगाणां च निवृत्तौ, मेथी दानान्निरन्तरम्।' यानी मेथी वात और कफ को दूर करती है, स्वाद को बढ़ाती है, और रोगों से रक्षा करती है।

ग्रंथ में बताया गया है कि मेथी रुचिकर होती है, यह भूख बढ़ाती है, वात और कफ रोगों से बचाव करती है, और दुर्गंध दूर करती है। अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक शोध पत्र के अनुसार, मेथी के अर्क में पाए जाने वाले विभिन्न पोषक तत्व और यौगिक इसे एक शक्तिशाली औषधि बनाते हैं। मेथी दाना बीपी को नियंत्रित करने के साथ टाइप 2 डायबिटीज पर बेहतर तरीके से काम करता है। मेटाबॉलिज्म तेज करने के साथ यह वजन घटाने का भी काम करता है। बालों के लिए तो यह वरदान है। इसके लिए आप 1-2 चम्मच मेथी के दानों को रातभर के लिए भिगो दें। इसे सुबह पीसकर बालों की जड़ों में लगाएं। एक घंटे बाद बालों को धो लें। सप्ताह में दो से तीन बार लगाने से बालों का गिरना बंद होने लगते हैं।

चिकित्सकों की राय है कि जिन्हें पित्त संबंधी बीमारी है, वे मेथी दाने का सेवन नहीं करना चाहिए। मतलब जिन्हें गर्म तासीर की चीजें नहीं भाती हैं, वे इसे लेने से बचें। कहा जाता है कि जिस आचार में मेथी का उपयोग किया जाता है, वह आचार न रहकर एक औषधि बन जाता है। मेथी ऐसी चीज है जो जिस चीज में डाली जाती है, वह उसके असर को कम करके उसमें अपने गुण डाल देती है।

इस खास तरह की औषधि को अपनी रसोई में जरूर रखना चाहिए। इसे वात बढ़ाने वाली चीजों में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। भिंडी, अरहर दाल, कढ़ी, राजमा, पालक पनीर की सब्जी में भी डालकर इसका लाभ उठाया जा सकता है।

रोटी-चावल के बिना साकिब सलीम ने गुजारे 6 सप्ताह

हर दिन चले 10 किमी, दिखाई 'फिट' झलक

मुंबई, 10 जून (एजेंसियां)। 'हवा हवाई', 'रेस' जैसी फिल्मों में काम कर चुके अभिनेता साकिब सलीम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपनी 'फिट' झलक दिखाई। उन्होंने बताया कि 6 सप्ताह तक बिना रोटी और चावल खाए बिताए और हर दिन 10 किमी चले। अभिनेता साकिब सलीम ने अपने प्रभावशाली झलक को दिखाने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया, जिसमें उन्होंने अपने आहार से कार्ब्स को हटाने के लिए फिटनेस ट्रांसफॉर्मेशन का खुलासा किया।

अभिनेता ने अपने सुडौल मांसपेशियों की झलक दिखाई, जो अनुशासित जीवनशैली से संभव हो सका, जिसके कारण उनका लुक शानदार और फिट हो गया। मंगलवार को सलीम ने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो के साथ तस्वीर पोस्ट कीं, जिसमें वह अपने मसल्स दिखाते नजर आए।

उन्होंने खुलासा किया कि वह रोटी और चावल से परहेज कर रहे हैं, हर दिन प्रशिक्षण ले रहे हैं और प्रतिदिन 10 किमी से अधिक चल रहे हैं। खास बात है कि उन्होंने यह सब एक भी चीट मील के बिना किया। उन्होंने 15 अप्रैल की ली गई एक तस्वीर और आज के दिन का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें ट्रांसफॉर्मेशन दिखाई दे रहा है। मेरे डैड की मारुति फेम अभिनेता ने कहा कि उन्हें अपने लक्ष्य तक पहुंचने में अभी 5-6 सप्ताह और लगेंगे और खुद को सकारात्मक बनाए रखने के लिए ही उन्होंने यह पोस्ट शेयर किया है।

साकिब सलीम ने कैप्शन में लिखा कि 6 सप्ताह तक बिना रोटी और चावल के और सप्ताह में 5-6 दिन बिना चीट मील के ट्रेनिंग। हर दिन 10 किलोमीटर से ज्यादा चलना। 5-6 सप्ताह और यह काम करना पड़ेगा और फिर मैं बनूंगा एकदम वाह... इसे यहां शेयर कर रहा हूं ताकि मैं अपने लक्ष्य पर ज्यादा फोकस कर सकूं। अभिनेता ने दोनों तस्वीरों का जिक्र करते हुए आगे बताया कि पहली तस्वीर 15 अप्रैल को ली गई थी और वीडियो आज का है। अपने ट्रेनर को टैग करते हुए उन्होंने लिखा कि कोशिश रुकनी नहीं चाहिए।

दर्शकों को पसंद आएगी आशिक अरबपति की कहानी : सना सुल्तान

मुंबई, 10 जून (एजेंसियां)। अभिनेत्री सना सुल्तान को एएलटीटी की नई वर्टिकल सीरीज 'कुटिंग्स' के लिए चुना गया है। सना कुटिंग्स यूनिवर्स के एक एपिसोड 'आशिक अरबपति' में नजर आएंगी। सीरीज के बारे में अपने विचार को व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि यह महिला के व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं पर आधारित है। दर्शकों को यह कहानी जरूर पसंद आएगी।

सीरीज के बारे में सना ने बताया कि कुटिंग्स एक वर्टिकल ड्रामा सीरीज है। यह एक खूबसूरत फॉर्मेट है, जिसमें रोमांच, रहस्य, भावनाएं, प्यार, नफरत सब कुछ छोटे-छोटे एपिसोड में समाहित हैं। फॉर्मेट के बारे में अपनी पसंद को जाहिर करते हुए उन्होंने बताया कि मुझे जो सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि इतने कम समय में बहुत कुछ अनुभव करने या सीखने को मिला। यह एक बहुत ही रोमांचक कॉन्सेप्ट है और मुझे विश्वास है कि लोग इसे पसंद करेंगे और इससे जुड़ाव महसूस करेंगे। सना ने आगे बताया कि मेरी कहानी में आप सब कुछ देख सकेंगे। यह एक ऐसी लड़की की कहानी है, जिसके दो पक्ष हैं। वह एक तरफ तो नरम है, वहीं दूसरी ओर सख्त भी है। मैं यह कह सकती हूं कि मेरी कहानी बहुत ही शानदार और दर्शकों को पसंद आने वाली है और एक महिला के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को छूती है।

सना ने खुलासा किया कि जब उन्हें यह ऑफर हुआ तो उन्होंने बिना देरी किए झट से हां कह दिया था।

नौकरी की असुरक्षा समेत कई अन्य कारणों से बच्चे पैदा करने से डर रहे लोग

- लोग शारीरिक संबंध, परिवार शुरू करने के बारे में नहीं ले पा रहे मर्जी से फैसला
- यूएनएफपीए और यू-गोव की 14 देशों में की गई सर्वेक्षण

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की मंगलवार को जारी नई रिपोर्ट के अनुसार, नौकरी की असुरक्षा, बच्चों की देखभाल में कमी और खराब स्वास्थ्य के कारण लोगों के बच्चों को जन्म देने की दर कम हो रही है। स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन (एसओडब्लूपी) रिपोर्ट से पता चलता है कि लाखों लोग शारीरिक संबंध, गर्भनिरोधक और परिवार शुरू करने के बारे में अपनी मर्जी से फैसला नहीं ले पा रहे हैं। उन्हें पूरी जानकारी या मदद नहीं मिल पा रही है।

रिपोर्ट कहती है कि लोगों को डरने की जरूरत नहीं है कि जन्मदर बहुत कम हो रही है, बल्कि हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि हर कोई अपनी इच्छानुसार परिवार बनाने में सक्षम हो। यह रिपोर्ट यूएनएफपीए और यू-गोव की 14 देशों में की गई सर्वेक्षण पर आधारित है, जिसमें भारत भी शामिल है। इस सर्वेक्षण में कुल 14,000 लोगों को शामिल किया गया, जिन्होंने बताया कि भारत में लोग सेहत और परिवार से जुड़े फैसले लेने में कई तरह की दिक्कतों का सामना करते हैं।

लगभग 40 प्रतिशत लोगों का कहना है कि पैसों की कमी सबसे बड़ी समस्या है। 21 प्रतिशत लोगों का कहना है कि नौकरी की असुरक्षा की वजह से वे बच्चे की सोच नहीं पा रहे हैं। 22 प्रतिशत लोग अपने रहने के लिए सही जगह न मिलने की वजह से परेशानी में हैं। वहीं, 18 प्रतिशत लोगों का कहना है कि उनके पास भरोसेमंद चाइल्डकेयर नहीं है। ये सब वजहें हैं, जो लोगों को माता-पिता बनने से रोक रही हैं।

इसके अलावा, खराब सेहत की वजह से 15 प्रतिशत लोग बच्चे नहीं कर पा रहे हैं। 13 प्रतिशत लोग बांझपन की समस्या से जूझ रहे हैं। वहीं, 14 प्रतिशत लोगों के पास गर्भावस्था से संबंधित देखभाल तक पहुंच नहीं है। जलवायु परिवर्तन और राजनीतिक-सामाजिक अस्थिरता की वजह से लोग अपने भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं, जिससे वे परिवार बढ़ाने की योजना नहीं बना पाते। करीब 19 प्रतिशत लोगों पर उनके साथी या परिवार वाले दबाव डालते हैं कि वे अपनी इच्छा से कम बच्चे करें। यूएनएफपीए इंडिया प्रतिनिधि एंड्रिया एम. वोजनार ने कहा कि भारत में अब महिलाएं पहले से कम बच्चे पैदा करती हैं। 1970 में हर महिला के लगभग पांच बच्चे होते थे, लेकिन आज यह संख्या लगभग दो हो गई है। यह बदलाव इसलिए हुआ क्योंकि लोगों को अच्छी शिक्षा मिली है और उन्हें परिवार नियोजन की सही जानकारी और सेवाएं मिलने लगी हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस वजह से मातृ मृत्यु दर में भारी कमी आई है, जिसका मतलब है कि आज लाखों माताएं जीवित हैं, अपने बच्चों की परवरिश कर रही हैं और अपने समाज को मजबूत बना रही हैं। लेकिन, अलग-अलग राज्यों, जातियों में सबके हालात एक जैसे नहीं हैं।

भारत ने प्रजनन दर को कम करने और गर्भधारण से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतरीन काम किया है, लेकिन, एसओडब्लूपी रिपोर्ट में बताया गया है कि अलग-अलग राज्यों में जन्म दर और स्वास्थ्य के मामले में अभी भी कई असमानताएं हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में अब भी महिलाओं के बच्चे ज्यादा होते हैं। लेकिन दिल्ली, केरल और तमिलनाडु जैसे अन्य राज्यों में प्रजनन दर कम है।

प्रचंड गर्मी में आकर्षण का केंद्र बने टोटी वाले मटके

फ्रिज के पानी की तुलना में मटके का पानी ज्यादा शुद्ध

गर्मी में सबसे सस्ता, टिकाऊ और सेहतमंद विकल्प

प्रयागराज, 10 जून (एजेंसियां)। पूरे उत्तर प्रदेश में प्रचंड गर्मी का प्रभाव देखने को मिल रहा है। वही संगम नगरी प्रयागराज में भी बीते कुछ दिनों से गर्मी का प्रकोप चरम पर है। यहां तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार तक पहुंच चुका है। ऐसे में लोग गर्मी से राहत पाने के लिए तरह-तरह के उपाय कर रहे हैं। एसी और कूलर की मांग तो बढ़ी ही है, लेकिन इस बार मिट्टी के मटकों, खासकर टोटी वाले मटकों की डिमांड भी काफी बढ़ गई है। टोटी वाले मटके आजकल बाजार में आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। ये मटके दिखने में सुंदर होते हैं और इनसे पानी निकालना भी बहुत आसान होता है। सेहत के लिहाज से भी फ्रिज के ठंडे पानी से बेहतर मटके का पानी माना जाता है।

कुम्हार इन दिनों अलग-अलग आकार और डिजाइन में टोटी वाले मटके बना रहे हैं। बाजारों में इनकी खूब बिक्री हो रही है। बढ़ती मांग के चलते इनके दाम भी बढ़ गए हैं, लेकिन लोग खुशी-खुशी इन्हें खरीद रहे हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि मटके का पानी न सिर्फ ठंडा होता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। प्लास्टिक की बोतलों और फ्रिज के पानी की तुलना में मटके का पानी ज्यादा शुद्ध और प्राकृतिक होता है।

मटका विक्रेता शिवानी कुमारी ने कहा कि मटका सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। डॉक्टर भी खुद इसका पानी पीने की सलाह देते हैं। फ्रिज हर कोई नहीं ले पाता है, लेकिन मटका खरीदना हर किसी के बजट में होता है। सबसे ज्यादा मटके के खरीदार स्टूडेंट्स हैं। मटके की डिमांड काफी ज्यादा है।

विक्रेता कृष्णा कुमार ने कहा कि गर्मी के मौसम में लोग अब फिर से पारंपरिक उपायों की ओर लौटते दिख रहे हैं। मिट्टी के घड़े और सुराही जैसे देशी फ्रिज पर्यावरण के अनुकूल हैं और बिजली की खपत भी नहीं करते। यही कारण है कि इनकी डिमांड तेजी से बढ़ रही है। यह गर्मी में सबसे सस्ता, टिकाऊ और सेहतमंद विकल्प है।

बता दें कि इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन (एनआईएन) ने भी मिट्टी के बर्तन यानी मटके के इस्तेमाल को सेहत के लिए सबसे सुरक्षित और लाभदायक माना है। रिसर्च के मुताबिक, मिट्टी के बर्तन में छोटे-छोटे छिद्र होते हैं। जब इन छिद्रों से पानी रिसकर बर्तन की बाहरी सतह पर आता है तो यह वाष्पित होने लगता है। इस प्रक्रिया से बर्तन और उसके अंदर का पानी धीरे-धीरे ठंडा हो जाता है, जो सेहत के लिए बेहद लाभकारी होता है। यह गले के लिए अच्छा होता है और खांसी जैसे लक्षणों में राहत देता है। यह लू से बचाने में भी सहायक होता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक खनिज ग्लूकोज स्तर को बनाए रखने में मदद करते हैं। यह हमारे शरीर की अम्लीय प्रकृति के साथ मिलकर पीएच संतुलन बनाते हैं, जिससे एसिडिटी और पाचन संबंधी समस्याएं कम होती हैं।

संपादक की कलम से

रिश्तों की गहराई को समझने की एक कोशिश

हमने किसी सोते हुए बच्चे को देखा होगा। उसे देखते हुए क्या हमें ऐसा नहीं लगता कि यह कितना मासूम है? उसके चेहरे पर जो मासूमियत होती है, उसकी तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती। वह चेहरा हमारे सामने सदैव होता है, बच्चे के बड़े होने तक। हम उसी चेहरे को हमेशा प्यार करते हैं। एक और चेहरा हमारे सामने होता है। हम कोशिश करके उसे याद कर सकते हैं। हमसे कुछ सहायता प्राप्त करने वाला या कहा जाए कि हमसे उधार मांगने वाला चेहरा। इस चेहरे के भाव कुछ अलग से होते हैं, पर वह भी मासूम ही होता है। इस चेहरे पर दो तरह के भाव पाए जाते हैं। एक तो स्वाभिमान का, दूसरा शर्म का। जो हाथ पहले कभी किसी के आगे नहीं फैले होंगे, किसी वक्त वही हाथ कुछ मांगने के लिए किसी के सामने फैलाने पड़ते हैं। जो हाथ सदैव देने के लिए उठे होते हैं, बाद में वही मांगने के लिए उठते हैं। इन दोनों भावों को हम उस वक्त देख सकते हैं, जब हमसे कोई पहली बार उधार मांग रहा हो।

मासूमियत वाले दो चेहरे और होते हैं। ये चेहरे होते हैं हमारे माता-पिता के। यह बात भले ही गले से नीचे नहीं उतर रही हो, पर यह सच है कि माता-पिता के चेहरे भी मासूम होते हैं। अगर हमें अपने माता-पिता के चेहरे पर मासूमियत नजर नहीं आ रही है, तो हमें अपनी समझदारी और दृष्टि पर गौर करने व उसमें सुधार करने की जरूरत है। अफसोस है कि हमें अपने माता-पिता कभी मासूम नहीं लगते। हालांकि, मां को इस सामाजिक व्यवस्था में मिले दर्जे की वजह से सर्वोच्च स्थान पर देखा जाता रहा है और इस नाते कई बार उनके चेहरे में मासूमियत दिखती है, जो स्वाभाविक और सही है। लेकिन पिता को आमतौर पर इस दृष्टि से नहीं देखा जाता। यह वह चेहरा होता है, जो सदैव सख्त दिखाई देता है। लोग इसी सख्त और गंभीरता वाले चेहरे से डर जाते हैं। हम उनके भीतर अजस्र रूप से बहती उस स्वच्छंद नदी के प्रवाह को नहीं देख पाते, जो सदैव बना रहता है। जो देख पाते हैं, वे बहुत ही भाग्यशाली होते हैं।

आज जीवन मूल्य तेजी से बदल रहे हैं। सामाजिक जीवन अब कुछ ऐसी जटिलताओं से गुजर रहा है कि पिता-पुत्र के बीच की दूरियां बहुत बढ़ गई हैं। आपाधापी इतनी है कि घर में रहने वाले और तेजी से बड़े होते बच्चों के साथ संवाद तो जैसे गायब हो गया है। कई बार संवाद का काम आंखें ही कर लेती हैं। प्यार से गले लगाने के दृश्य तो अब यदा-कदा ही दिखाई देते हैं। पिता-पुत्र के बीच संवाद के सेतु का काम मां को ही करना होता है। जहां मां न हो, वहां तो स्थिति और भी विकट होती है।

बच्चे को बड़ा होते देखना भला किसे नहीं भाता, पर बच्चा इतना भी बड़ा न बन जाए कि उससे संवाद करने के लिए वातावरण को हल्का करने की आवश्यकता पड़े। दिन भारी लगने लगते हैं, जब बच्चे से बात करने के लिए पिता को इंतजार करना पड़ता है। संभव है कई घरों में वातावरण हल्का रहता हो। पिता और पुत्र एक मित्र की तरह संवाद करते दिखाई देते हों।

साथ-साथ घूमने जाना, एक साथ मिल कर भोजन करना आदि क्रियाकलाप हों। ऐसे माहौल में पता ही नहीं चलता कि घर में किसकी चलती है, पिता की या बेटे की। एक उम्र के बाद पिता और भी अधिक खामोश होने लगते हैं।कई चीजें उनकी आंखों के सामने से गुजरती हैं, वे आंखें उसे स्वीकार नहीं करतीं, पर पिता के सामने उसे स्वीकारने की विवशता भी होती है। एक अनजाना-सा संवाद उनके भीतर ही उमड़ता-घुमड़ता रहता है, जिसे वे शब्द देना चाहते हैं। मगर, वे शब्द होठों तक आते-आते रह जाते हैं।

जिसने भी माता-पिता की मासूमियत को पहचान लिया, वह उतना ही अधिक भाग्यशाली होता है। माता-पिता कभी भी अपने बच्चों को यह नहीं बताते कि उन्होंने उसके लिए क्या-क्या किया। इसे बच्चा ही अगर ठीक से समझे, तो बेहतर होता है। जो संतान अपने माता-पिता की मासूमियत को जानती है, वह अपने जीवन में कभी विफल नहीं हो सकती। उसके जीवन की चुनौतियों के आगे उसके माता-पिता का संघर्ष, समर्पण और त्याग होता है। धीरे-धीरे बड़ा होता बच्चा उनके इस संघर्ष का मौन साक्षी होता है।

बच्चे का यही मौन तब मुखर होता है, जब वह मां या पिता बनता है। इसके लिए उसे समय की बहुत ही लंबी नदी को तैरकर पार करना होता है। माता-पिता खामोश कविता की तरह होते हैं। उनकी खामोशी के पीछे ही छिपा होता है प्यार का अजस्र स्रोत, जो सदैव प्रवाहमान होता है। इसमें भीगने का अवसर बहुत ही कम संतानों को मिलता है। पर जिसे भी मिलता है, वह निहाल हो उठता है। चट्टान के नीचे मीठे पानी का सोता ऐसे ही नहीं मिलता। उसके लिए भी संघर्ष करना पड़ता है। इस संघर्ष में वह परिश्रम होता है, जो अनजाने में उनसे ही संतानों को विरासत के रूप में मिलता है। खामोश कविता सदैव हमारे जीवन में अपना असर दिखाती रहे तो जीने की राह और आसान हो जाती है।

बच्चों की सेहत पर मंडरा रहा बड़ा खतरा

अमेरिका में तो वर्ष 2000 में खसरे के उन्मूलन की घोषणा कर दी गई थी, लेकिन पच्चीस साल बाद वहां की स्वास्थ्य संस्था सीडीसी ने इस साल जनवरी से मई तक देश में खसरे के 900 मामले सामने आने की पुष्टि की है।

खसरे का संक्रमण एक बार फिर अपने पांव तेजी से पसार रहा है। यह किसी एक देश की बात नहीं, बल्कि दुनिया भर में खसरे के मामले बढ़ रहे हैं। इससे संबंधित एक हालिया रपट ने विश्व भर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों को चिंता में डाल दिया है। इसके मुताबिक, वर्ष 2023 में पूरी दुनिया में खसरे के एक करोड़ तीन लाख मामले सामने आए, जो 2022 की तुलना में 20 फीसद अधिक हैं। इसे अमेरिका, यूरोप, भारत और आस्ट्रेलिया सहित कई देशों के लिए नई चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। खसरा सबसे ज्यादा बच्चों को प्रभावित करता है और इसे टीकाकरण से रोका जा सकता है। मगर सवाल यह है कि जब दुनिया भर में इस संक्रमण का टीका वर्षों से उपलब्ध है, तो इसकी चाल फिर तेज क्यों हो रही है? इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनमें वैश्विक स्तर पर खसरे से निपटने के उपायों में ढिलाई से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। गौर करने वाली बात है कि खसरे से बचने के लिए तैयार किया गया टीका वर्ष 1963 से ही दुनिया भर में उपलब्ध है और इसके प्रभावशाली नतीजे भी सामने आए हैं। मगर पिछले कुछ वर्षों में इसके संक्रमण के मामले बढ़ना भारत समेत दुनिया के तमाम देशों के लिए एक चेतावनी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अमेरिका की स्वास्थ्य संस्था सेंटर फार डिजीज कंट्रोल (सीडीसीसी) की रपट के अनुसार, भारत उन 57 देशों में से एक है, जहां वर्ष 2023 में खसरे के मामले बढ़े हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि वैश्विक स्तर पर इस संक्रमण के फैलने की घटनाएं 20 फीसद बढ़ी हैं। अमेरिका में तो वर्ष 2000 में खसरे के उन्मूलन की घोषणा कर दी गई थी, लेकिन पच्चीस साल बाद वहां की स्वास्थ्य संस्था सीडीसी ने इस साल जनवरी से मई तक देश में खसरे के 900 मामले सामने आने की पुष्टि की है। आस्ट्रेलिया में इस साल के शुरुआती पांच महीनों में खसरे के 77 मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि 2024 में यहां कुल 57 मामले सामने आए थे। यूरोप में पिछले 25 वर्षों की तुलना में खसरे के सबसे अधिक मामले वर्ष 2024 में दर्ज किए गए।

मोदी के 11 साल : राष्ट्रवाद का झंडा और राष्ट्रीय सुरक्षा का शोकगीत

सोमवार (9 जून) को प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल का पहला साल पूरा कर लिया है। वैसे उन्हें प्रधानमंत्री बने 11 साल हो गए हैं। 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री बनने से पहले वे करीब साढ़े बारह साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे थे। उस भूमिका में रहते हुए उन्होंने प्रचार माध्यमों के जरिए अपनी छवि विकास पुरुष की बनाई थी। इसी छवि के सहारे वे प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल हुए थे। प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में उन्होंने देश की जनता से 60 महीने मांगते हुए कई वादे किए थे और तरह-तरह के सपने दिखाए थे। उनके वादों और सपनों का लब्बो-लुआब यह था कि वे पांच साल में भारत को विकसित देशों की कतार में ला खड़ा कर देंगे।

देश की जनता ने उनके वादों पर ऐतबार करते हुए उन्हें न सिर्फ पांच साल का एक कार्यकाल सौंपा बल्कि उस कार्यकाल में तमाम मोर्चों पर उनकी नाकामी के बावजूद उन्हें पूर्ण बहुमत के साथ पांच साल का दूसरा कार्यकाल भी दे दिया। यही नहीं, इस दौरान कई राज्यों में भी भाजपा की सरकारें बन गईं- कहीं स्पष्ट जनादेश से तो कहीं विपक्षी विधायकों की खरीद-फरोख्त के जरिए जनादेश का अपहरण करते हुए। इसके बावजूद हर मोर्चे पर उनकी नाकामियों का सिलसिला न सिर्फ जारी रहा बल्कि तेज गति से जारी रहा। यही वजह रही कि मोदी को तीसरा कार्यकाल आसानी से हासिल नहीं हुआ। इसके लिए उन्हें चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था का घोर दुरुपयोग, विपक्षी दलों और नेताओं का निर्ममतापूर्वक दमन, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और लालच व दबाव के जरिये मीडिया के बंध्याकरण का सहारा लेना पड़ा। यह सब करने के बावजूद उनकी पार्टी बहुमत से काफी दूर रही और वे सहयोगी दलों की बैसाखियों के सहारे ही सरकार बना सके।

मोदी सरकार के दो कार्यकाल तो देश के आम आदमी के लिए तमाम तरह की दुश्वारियों से भरे हुए रहे ही और तीसरे कार्यकाल का पहला साल भी न सिर्फ बेहद निराशाजनक रहा है बल्कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत राष्ट्र की जो छवि थी, वह भी पूरी तरह चौपट होती दिख रही है। बहरहाल 11वें साल की चर्चा करने से पहले मोदी के उस भाषण को भी याद लेना चाहिए, जो उन्होंने 11 साल पहले प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार लाल किले से दिया था।

मोदी ने मई 2014 में प्रधानमंत्री बनने बाद जब 15 अगस्त, 2014 को स्वाधीनता दिवस पर लाल किले से पहली बार देश को संबोधित किया था तो उनके भाषण को समूचे देश ने ही नहीं बल्कि दुनिया के दूसरे तमाम देशों ने भी बड़े गौर से सुना था। विकास और राष्ट्रवाद की मिश्रित लहर पर सवार होकर सत्ता में आए मोदी ने अपने उस भाषण में देश की आर्थिक और सामाजिक तस्वीर बदलने का इरादा जताते हुए देशवासियों और खासकर अपनी पार्टी तथा उसके सहमना संगठनों से अपील की थी कि अगले दस साल तक देश में सांप्रदायिक या जातीय तनाव के हालात पैदा न होने दें।

अनिल जैन

> भारतीय सेना अपने मिशन में काफी हद तक कामयाब होने के बाद पाकिस्तानी सेना के हमलों का भी मुंहतोड़ जवाब दे रही थी, तब अचानक संघर्ष विराम का फैसला हो गया, जिसका ऐलान भारत या पाकिस्तान की ओर से नहीं बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से हुआ। यही नहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कश्मीर मसले पर दोनों देशों के बीच मध्यस्थ बनने की बात भी कही।

मोदी ने कहा था- 'जातिवाद, सांप्रदायवाद, क्षेत्रवाद, सामाजिक या आर्थिक आधार पर लोगों में विभेद, ये सब ऐसे जहर हैं, जो हमारे आगे बढ़ने में बाधा डालते हैं। आइए, हम सब एक संकल्प लें कि अगले दस साल तक हम इस तरह की किसी गतिविधि में शामिल नहीं होंगे। हम आपस में लड़ने के बजाय गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा तथा तमाम सामाजिक बुराइयों से लड़ेंगे और एक ऐसा समाज बनाएंगे जो हर तरह के तनाव से मुक्त होगा। मैं अपील करता हूं कि यह प्रयोग एक बार अवश्य किया जाए।'

इतना ही नहीं, मोदी ने अपने उस भाषण में पड़ोसी देश पाकिस्तान की ओर भी दोस्ती का हाथ बढ़ाने का संकेत दिया था। उन्होंने गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, आतंकवाद आदि को भारत और पाकिस्तान की समान समस्याएं बताते हुए आह्वान किया था कि दोनों देश आपस में लड़ने के बजाय कंधे से कंधा मिला कर इन समस्याओं से लड़ेंगे तो दोनों देशों की तस्वीर बदल जाएगी।

मोदी का यह भाषण उनकी स्थापित और बहुप्रचारित छवि के बिल्कुल विपरीत, सकारात्मकता और सदिच्छा से भरपूर माना गया था। देश-दुनिया में इस भाषण को व्यापक सराहना मिली थी, जो स्वाभाविक ही थी। उनके इस भाषण के बाद उम्मीद लगाई जा रही थी कि उनकी पार्टी तथा उसके उग्रपंथी सहमना संगठनों के लोग अपने और देश के सर्वोच्च नेता की ओर से हुए आह्वान का सम्मान करते हुए अपनी वाणी और व्यवहार मे संयम बरतेंगे। मगर रत्ती भर भी ऐसा कुछ नहीं हुआ। बहुत जल्दी ही खुद मोदी भी खुल कर सांप्रदायिक एवं विभाजनकारी भाषण देने लगे, जिससे प्रेरित होकर देश भर में कहीं गाय के नाम पर, कहीं धर्म के नाम पर तो कहीं देशभक्ति के नाम पर मुसलमानों और दलितों के उत्पीड़न की घटनाएं होने लगीं। हैरानी और अफसोस की बात यह कि इन सब बातों का सिलसिला कोरोना जैसी भीषण महामारी के दौर में भी थमा नहीं और जिसका चरम पूरे देश ने हाल ही में पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद के घटनाक्रम के दौरान देखा है।

पहलगाम हमले का मक़सद कश्मीर के सामान्य होते हालात को बिगाड़ने के साथ ही देश भर में हिंदू-मुस्लिम टकराव पैदा करना था और इस पर भाजपा की ओर से जिस तरह की प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही थी, वह आतंकवादियों के मकसद को पूरा करने का प्रयास ही लग रही थी। मगर देश के मुस्लिम समुदाय के संयम और समझदारी ने उस मकसद को नाकाम कर दिया। भारतीय सेना ने पहलगाम हमले के दोषियों को सबक देने के लिए जब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकवादियों के अड्डों पर सैन्य कार्रवाई की और उस कार्रवाई के चलते जब पाकिस्तान के साथ युद्ध जैसे हालात बने, तब भी पूरा देश सेना और सरकार के पीछे एकजुट रहा।

भारतीय सेना अपने मिशन में काफी हद तक कामयाब होने के बाद पाकिस्तानी सेना के हमलों का भी मुंहतोड़ जवाब दे रही थी, तब अचानक संघर्ष विराम का फैसला हो गया, जिसका ऐलान भारत या पाकिस्तान की ओर से नहीं बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से हुआ। यही नहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कश्मीर मसले पर दोनों देशों के बीच मध्यस्थ बनने की बात भी कही। अमेरिकी राष्ट्रपति की इस बात को भारत सरकार ने किस मजबूरी के चलते स्वीकार किया, यह अभी भी रहस्य बना हुआ है और इस बारे में सवाल पूछने वालों को सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से 'देशद्रोही' करार दिया जा रहा है। पहलगाम हमला स्पष्ट रूप से सुरक्षा चूक यानी सरकार की लापरवाही का नतीजा था लेकिन सरकार इसे भी स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

बहरहाल इस पूरे घटनाक्रम का सर्वाधिक दुखद और शर्मनाक पहलू यह रहा कि पहलगाम हमले से लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य टकराव तक दुनिया का कोई भी देश भारत के समर्थन में सामने नहीं आया। अलबत्ता पाकिस्तान को जरूर चीन तथा कुछ अन्य देशों ने न सिर्फ सामरिक सहयोग दिया बल्कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से उसे भारी-भरकम आर्थिक सहायता भी मिल गई। भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटाने के लिए सांसदों, पूर्व सांसदों और राजनयिकों के कई प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के देशों में भेजे, मगर यह कवायद भी न सिर्फ नाकाम रही बल्कि हास्यास्पद भी साबित हुई, क्योंकि भारत की ओर से जिस पाकिस्तान को आतंकवादी देश घोषित करने की अपील दुनिया भर से की जा रही थी, उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आतंकवाद निरोधक कमेटी का उपाध्यक्ष और तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष भी चुन लिया गया।

रूस जैसा भारत का भरोसेमंद दोस्त भी अब भारत के साथ नहीं है और उसका हाथ पाकिस्तान के कंधे पर है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के ऐसे दयनीय हालात पहले कभी नहीं रहे। यह पूरा सूरत-ए-हाल भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद चिंता का विषय है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी इस सबसे बेफ़िक्र होकर सेना के पीछे छुपते हुए अपनी नाकामी को कामयाबी के तौर पर प्रचारित करते हुए देश भर में रैलियां और रोड शो कर रहे हैं। उनके सामने अहम मकसद है किसी भी तरह बिहार और उसके बाद बंगाल का चुनाव जीतना। चुनाव ही एकमात्र ऐसा मोर्चा है जिस पर मोदी अपने 11 साल के अब तक के कार्यकाल में चुनाव आयोग और धनबल के सहारे कामयाब रहे हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

भारत में बढ़ते आयात से स्थानीय विनिर्माण को भारी नुकसान

■ नन्तू बनर्जी

भारत के आर्थिक विकास के आंकड़े घरेलू विनिर्माण, औद्योगिक उत्पादन और रोजगार सृजन से तेजी से अलग होते जा रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश की 6.5 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र का अत्यल्प योगदान रहा, जो चार वर्षों में सबसे ऊपर था। पिछले साल अच्छे मानसून के बावजूद, दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) में देश के कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 3.5 प्रतिशत रही। 2024-25 के लिए औद्योगिक विकास दर केवल 4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले चार वर्षों में सबसे कम है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2025 में देश का औद्योगिक उत्पादन आठ महीने के निचले स्तर 2.7 प्रतिशत पर आ गया। तब फिर देश की जीडीपी वृद्धि को कौन आगे बढ़ा रहा है? जाहिर है, देश का कम भरोसेमंद विशाल सेवा क्षेत्र, जिसे भारी आयात आधार दे रहा है।

> आयात करके प्रसन्न रहने वाली सरकार की उदार निवेश नीति, विशेष रूप से विनिर्माण में, की अनुपस्थिति में तथाकथित 'मेक-इन-इंडिया' पहल को बहुत कम सफलता मिली, जो विदेशी औद्योगिक निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित कर सकती थी, जैसा कि उन्होंने कई वर्षों तक कम्युनिस्ट चीन में किया था। विदेशी निवेशकों को सरकार के राजनीतिक रंग में कोई दिलचस्पी नहीं है।

विडंबना यह है कि पिछले वित्त वर्ष में भारत के कुल आयात में 6.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, जो देश की जीडीपी वृद्धि दर से थोड़ा अधिक है। इससे कुछ हद तक गलत धारणा बन सकती है कि जीडीपी वृद्धि आयात वृद्धि से जुड़ी हुई है। अनियंत्रित आयात, मुख्य रूप से चीन से, भारत की घरेलू उत्पादन पहल और देश के नयी नौकरी सृजन एजेंडे को कमजोर कर रहे हैं। भारत से चीन को आयात तेजी से घट रहा है।

पिछले वित्त वर्ष में, चीन से भारत का आयात 113 अरब डॉलर से अधिक था, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.5 प्रतिशत अधिक था। चीन से आयात किये जाने वाले शीर्ष उत्पादों में विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मशीनरी, कार्बनिक रसायन और प्लास्टिक शामिल थे, जिनमें से अधिकांश का निर्माण भारत में किया जाना चाहिए था। इस वृद्धि ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ाने में योगदान दिया। इसके विपरीत, चीन को भारत का माल निर्यात पिछले साल के 16.66अरब डॉलर से घटकर केवल 14.25 बिलियन डॉलर रह गया।

निर्यात-प्रधान चीन भारत से कुछ भी आयात करना पसंद नहीं करता है। सरकार में कोई भी व्यक्ति देश में साल दर साल, खास तौर पर चीन से आयात में हो रही भारी वृद्धि के बारे में चिंतित नहीं दिखता। आयात ज्यादातर घरेलू उत्पादन और स्थानीय नौकरियों की कीमत पर होता है। कोई भी देश केवल माल का आयात नहीं करता। वह श्रम का भी आयात करता है, जो आयातित उत्पादों के निर्माण में जाता है। चीन भारत का शीर्ष आयात स्रोत बना हुआ है, जो किसी भी एक देश से अब तक का सबसे बड़ा आयात स्रोत है।

पिछले वित्त वर्ष में, भारत का कुल आयात बढ़कर 915.19अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। यह वृद्धि उच्च माल आयात द्वारा संचालित थी, जो 720.24अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गयी, जो पिछले वित्त वर्ष में 678.21अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि थी। सरकार का कोई भी विभाग वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सरकार के संचालन के बाद से कम और धीमी घरेलू औद्योगिक उत्पादन और घटती हुई नौकरी वृद्धि दर की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। सरकार एक सपने के सौदागर की तरह काम कर रही है, जिसे अक्सर भारत की दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं का पूर्वानुमान लगाने और उस पर ध्यान केंद्रित करने में व्यस्त देखा जाता है।

आयात करके प्रसन्न रहने वाली सरकार की उदार निवेश नीति, विशेष रूप से विनिर्माण में, की अनुपस्थिति में तथाकथित 'मेक-इन-इंडिया' पहल को बहुत कम सफलता मिली, जो विदेशी औद्योगिक निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित कर सकती थी, जैसा कि उन्होंने कई वर्षों तक कम्युनिस्ट चीन में किया था। विदेशी निवेशकों को सरकार के राजनीतिक रंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। 2025 के पहले तीन महीनों में, चीन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 36.9अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था।

पूरे 2024-25 के दौरान भारत में मात्र 0.4अरब डॉलर के एफडीआई प्रवाह के आकलन पर विचार करें। एक साल पहले यह 10.1अरब डॉलर था। गत वर्ष का आंकड़ा शायद देश के वार्षिक एफडीआई प्रवाह रिकॉर्ड में सबसे खराब प्रदर्शन है, जबकि सरकार भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने की बात करती रहती है। भारत के अपने औद्योगिक उद्यमी देश में बहुत कम निवेश कर रहे हैं। इसके बजाय, वे विदेश में निवेश करने में लिप्त हैं सिंगापुर, अमेरिका, यूएई, मॉरीशस और नीदरलैंड ने मिलकर ओवरसीजएफडीआई (ओएफडीआई) में आधे से अधिक की वृद्धि की।

देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केवल चार प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि मार्च 2024 में दर्ज 5.5 प्रतिशत से कम है। विनिर्माण क्षेत्र में और मंदी का अनुभव हुआ, जो वर्ष के लिए 4.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2023-24 में 12.3 प्रतिशत से काफी कम है। मार्च 2025 में आईआईपी में केवल तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछले वित्तीय वर्ष की अप्रैल-अक्तूबर अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत से कम बनी हुई है। विजुअल कैपिटलिस्ट के अनुसार, चीन के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी 2025 में वैश्विक विनिर्माण उत्पादन का लगभग 29 प्रतिशत होने का अनुमान है। यह वैश्विक विनिर्माण में चीन के महत्वपूर्ण प्रभुत्व को बढ़ाता है, जो संभावित रूप से अमेरिका और उसके सहयोगियों के संयुक्त हिस्से से मेल खाता है या उससे अधिक है। विशेष रूप से, चीन के बारे में अनुमान है कि वह4.8 ट्रिलियन डॉलर का विनिर्माण उत्पादन करता है, जो वैश्विक मूल्य का 29 प्रतिशत है।

दो महीने से भी कम समय पहले, भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि देश अगले दो दशकों में अपने विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 23 प्रतिशत करने की योजना बना रहा है, जिसका उद्देश्य रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को गति देना है। कैलिफोर्निया के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में हूवरइंस्टीट्यूशन में बोलते हुए, वित्त मंत्री ने कहा था कि- भारत जीडीपी में विनिर्माण की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा घटक, चिकित्सा उपकरण, बैटरी और चमड़ा और कपड़ा सहित श्रम-गहन उद्योगों जैसे 14 पहचाने गये उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

हालांकि, इन उद्योगों में से, सेमीकंडक्टर केवल भारत में एक उभरता उद्योग प्रतीत हो सकता है। संयोग से, वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का वर्तमान स्वरूप लगभग 70 वर्ष पुराना है। पहला व्यावसायिक रूप से उपलब्ध माइक्रो प्रोसेसर, इंटेल 4004, 1971 में जारी किया गया था। भारत को चालू वर्ष के अंत तक विदेशी इक्विटी और तकनीकी नियंत्रण के तहत अपना पहला स्थानीय रूप से उत्पादित सेमीकंडक्टर चिप लॉन्च करने की उम्मीद है। भारत सेमीकंडक्टर का एक प्रमुख आयातक है। इसका स्थानीय अंतिम उपयोग बाजार 2025 में 54 अरब से दोगुना होकर 2030 तक 108 अरब हो जाने का अनुमान है। हाल ही में, सरकार के अत्यधिक उदार निवेश प्रोत्साहनों से घरेलू सेमीकंडक्टर उत्पादन को बढ़ावा देने में विदेशी कंपनियों को मदद मिलने की उम्मीद है।

हाल ही तक, सरकार देश के औद्योगिक और विनिर्माण आधारों को मजबूत करने के बारे में बहुत लापरवाह दिखी। 2014-15 में भी, जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार केंद्र में सत्ता में आयी (26 मई, 2014), तब भारत के विनिर्माण क्षेत्र ने देश के सकल घरेलू उत्पाद में 16.3 प्रतिशत का योगदान दिया था। जबकि सरकार की बहुचर्चित 'मेक-इन-इंडिया' नीति सितंबर 2014 में शुरू की गयी थी, जिससे इसके हिस्से को तेजी से आगे बढ़ाने की उम्मीद थी, लेकिन बाद में सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान मुख्य रूप से कार्यक्रम के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता की कमी और पिछले कुछ वर्षों में अनियंत्रित आयात वृद्धि के कारण कम हो गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि देश की वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर आम तौर पर विनिर्माण क्षेत्र और रोजगार के विकास को प्रतिबिंबित करने में विफल रही है।

प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है।

पावन प्रसंग

दान वही कर सकता है,जिसमे देने की भावना होती हो

मानव को दान देने की भावना प्रकृति से प्राप्त हुई। सागर बादलों के माध्यम से पृथ्वी को जल का दान करता है, वह बूंद-बंद के रूप में देता है तो नदियां उसे पुन: अथाह जलराशि के रूप में लौटाती हैं। किसान धरती में एक मुट्ठी अनाज समर्पित करता है तो धरती उसे लहलहाती फसल लौटाती है। माली धरती की गोद में एक आम की गुठली डालता है. धरती उसे वृक्ष के रूप में जन्म देकर वर्षों तक हजारों-लाखों आम देकर उसके मन को आनन्दमय बना देती है। दान वही कर सकता है, जिसमें देने की भावना होती है। यदि भावना ही नहीं है तो आपके पास भले ही लाखों-करोड़ों की धन-सम्पत्ति हो, वह समाज हित में बाहर निकल नहीं सकती।

आज दान भी प्रदर्शन एवं यश कीर्ति को बढ़ाने का एक माध्यम हो गया है। शिलालेखों पर नाम लिखाने का शौक भी दानदाताओं को प्रेरणा देने लगा है। इन सबके बावजूद शास्त्रकारों ने गुप्तदान की महत्ता प्रदर्शित करते हुए कहा है कि दान वही सर्वोत्तम है जो दायें हाथ से दिया जाय और बायें हाथ को भी उसका पता न चले। दान, दान के लिए है तो वह अधिक फलदायी होगा। यदि सम्मान के लिए दान दिया है तो उसका फल आपको सम्मान प्राप्त होते ही मिल जाता है। दान का फल यदि इसी उम्र में पाना चाहते हो तो उसका प्रदर्शन कर दो और यदि अगले जन्म में लाभ उठाने की भावना है तो उसे गुप्त ही रखो। किसी पर अहसान जता कर दिया गया दान कभी फलप्रद नहीं होता है, अत: दानी को चाहिए कि वह दान लेने वालों का भी यथोचित सम्मान करते हुए दान दे। समाज-सेवक सामाजिक कार्यों के लिए बड़े-बड़े सेठों के पास पहुंच कर अपनी योजना बताते हैं कि आप संस्था को इतना दान देंगे तो आपका नाम प्रमुख दानदाताओं में होगा। इससे अधिक देंगे तो आपका समाज की ओर से सम्मान कराया जायेगा। आपको प्रशस्ति पत्र देकर दानवीर की उपाधि से अलंकृत किया जायेगा। यह बात सुनकर दानीजन मुस्कराते हुए जी खोलकर दान के नाम पर लाखों रुपये दे देते हैं। कुछ सोचते हैं आखिर हम समाज के भले के लिए दे रहे हैं। अपने हाथों से दे रहे हैं। हमारे पास है इसलिए दे रहे हैं। आयकर वाले, वाणिज्य-कर वाले हर वर्ष हजारों रुपये रिश्वत के रूप में ले जाते हैं। उन्हें मजबूरी में देना पड़ता है और उसे दान के खाते में लिखना पड़ता है।

अपना स्थान ऊंचा बनायें-अपने थोड़े-से स्वार्थ के लिए अफसरों का रुपयों से मुख बन्द करने वालों को चाहिए कि वे प्रामाणिकता से धन का अर्जन करें। इससे न राजभय होगा और न चोरों का भय। जो अपने पास वर्ष-भर खाने एवं खर्च करने के बाद बचता है तो उसका अधिक न सही, कम-से-कम दसमांश का दान समाज और मानव-हित के लिए अवश्य करें। दानी का स्थान सदैव ऊंचा ही रहता है। समुद्र के पास चाहे कितना ही जल क्यों न हो, वह नीचा ही रहता है और बादल जो कि अपने पास जितना जल है, वह देता है, अत: देने के कारण उसका स्थान सदैव ऊंचा होता है। आप भी अपना स्थान ऊँचा बनायें। इसी में आपका और मानवता का कल्याण है।

-कांतिलाल मांडोत

आपके पत्र

मिलावट : मुंह में नहीं, ज़मीर में घुला ज़हर

मिलावट शब्द सुनते ही ज़हन में नकली दूध, पत्थर मिला चावल, गेंहू, चायपत्ती में रंग, और मसालों में धूल की तस्वीरें दौड़ जाती हैं। पर ये तस्वीरें सिर्फ़ पेट तक सीमित नहीं हैं। आज जो सबसे बड़ी मिलावट हो रही है, वह हमारी सोच, ज़मीर और व्यवस्था में हो रही है। बाज़ार में बिकने वाले हर उत्पाद के साथ-साथ हमारी संवेदनाएं, ईमानदारी और नैतिकता भी धीरे-धीरे प्रदूषित हो रही हैं और मज़े की बात देखिए — इस मिलावट को हमने इतना आम मान लिया है कि अब जब असली चीज़ सामने आती है, तो हमें शक होने लगता है।

चावल में पत्थर मिलना अब कोई आश्चर्य की बात नहीं है। दाल में कंकड़, मटर में रंग, नमक में पाउडर और घी में मोम — ये सब जैसे अब जीवन के स्थायी सदस्य हो गए हैं। दुकानदारों से लेकर बड़े-बड़े ब्रांड्स तक, मुनाफे की अंधी दौड़ में सब शामिल हैं। हर कोई चाहता है कम लागत में ज़्यादा मुनाफा, और इसका सबसे आसान तरीका है — मिलावट। नीयत में मिलावट, नफे में धोखा, और ग्राहक की सेहत की बलि।

गांव की गलियों से लेकर शहर के शोर तक, हर ओर वही अफ़सोसनाक कहानी है। अचार में पड़ी लाल मिर्च चमकती है, लेकिन असल में वह रंग ऐसा होता है जो कपड़े रंगने के लिए होता है। दूध में जो झाग है, वह डेयरी की ताजगी नहीं बल्कि डिटर्जेंट का कमाल है। और सब्ज़ियों पर जो हरियाली दिखती है, वह प्रकृति की नहीं, रसायनों की देन है। हम जो खाते हैं, वह शरीर में नहीं, धीरे-धीरे हमारी आत्मा में ज़हर घोल रहा है।

एक समय था जब किसी के घर से दूध, घी या अनाज आता था तो उसे आंख मूंदकर स्वीकार कर लिया जाता था। आज तो रिश्तेदार की लाई हुई मिठाई को भी जांचने की ज़रूरत है — कहीं वह मिलावटी न हो। बाज़ार में 'शुद्धता' अब सिर्फ एक ब्रांडिंग टूल है, हकीकत से उसका कोई लेना-देना नहीं। '100प्रतिशत शुद्ध' लिख देने से चीजें शुद्ध नहीं हो जातीं, लेकिन उपभोक्ता की आंखों पर ऐसी पट्टी बंध चुकी है कि वह सोचता भी नहीं।

मिलावट सिर्फ खाने-पीने तक सीमित नहीं है। भावनाओं में मिलावट, रिश्तों में स्वार्थ की मिलावट, इबादतों में दिखावे की मिलावट और सबसे खतरनाक— राजनीति में विचारधाराओं की मिलावट। पहले लोग विचारों के लिए जिए और मरे, अब विचार तो 'पैकेज' में आते हैं। आजकल 'सेक्युलर' और 'राष्ट्रवादी' दोनों को एक ही विज्ञापन में बेचा जा सकता है — बस प्रचार सही हो। कौन सच बोल रहा है और कौन झूठ — इसका निर्णय अब ट्रोल आर्मी करती है, न कि तर्क और विवेक।

कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि मिलावट अब हमारी पहचान बन गई है। चुनावी घोषणाओं में वादों की मिलावट, अखबारों में खबरों की मिलावट, सोशल मीडिया पर तथ्यों की मिलावट — हर तरफ़ से हमें मिलावटी दुनिया ही घेर रही है और जब कोई सच्चाई से बोलता है, तो वो या तो 'एंटी-नेशनल' कहलाता है या 'पेड' एजेंडा वाला। यही है असली त्रासदी।

दूसरी ओर, मुनाफाखोरी की भूख भी रुकने का नाम नहीं ले रही। व्यापारी जानता है कि अगर वह मूँगफली में 5त्न पत्थर मिला देगा, तो साल के अंत में लाखों का फायदा होगा। कंपनियाँ जानती हैं कि अगर थोड़ा-बहुत पाउडर रंग मिला दें तो ग्राहकों को च्च्फ्रेशज्ज लगेगा। और उपभोक्ता को ये सब पता होते हुए भी, वह मजबूर है — क्योंकि विकल्प कम हैं और सच्चाई महंगी है।

प्रियंका सौरभ

विकसित कृषि संकल्प अभियान

तरगुवाँ में कृषिमंत्री ने किसानों को किया जागरूक

ललितपुर। किसानों को आय बढ़ाने के उपाय सुझाते कृषि मंत्री।

ललितपुर। जिलाधिकारी के आदेश पर 29 मई से 12 जून तक विकसित कृषि संकल्प अभियान-2025 का आयोजन पूर्व निर्धारित ग्रामों में किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रयोगशाला से तकनीक को कृषक के खेत तक पहुंचाना है। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा प्रत्येक ग्राम में पहुंच कर कृषि की तकनीकी जानकारी दी जा रही है। बुधवार को तालबेहट के ग्राम तरगुवाँ में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अर्न्तगत आयोजन किया गया। जिसमें कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही मुख्य अतिथि रहे। अन्य अतिथियों में सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, संयुक्त कृषि निदेशक झाँसी डॉ.एलबी यादव, केवीके अध्यक्ष डॉ.मुकेश चन्द्र, उप कृषि निदेशक वसन्त कुमार दुबे, उप कृषि निदेशक भूमि संरक्षण माताटीला धर्मेन्द्र कुमार, उप जिलाधिकारीए तालबेहट भूपेन्द्र सिंह, जिला कृषि अधिकारी राजीव कुमार भारती एवं कृषि विभाग तथा अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। संचालन प्राविधिक सहायक रिचा पुरोहित ने किया। कृषि मंत्री ने बताया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान का मुख्य उद्देश्य अनुसंधान से प्राप्त तकनीक का कृषक उपयोग किसान की आय बेहतर करने में हो। उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा चलायी जा रही योजना नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग तथा राज्य सरकार द्वारा गौ आधारित प्राकृतिक खेती के बेहतर विकल्प को अपनाने के लिये जोर दिया तथा पर्यापरण एवं मानव आहार में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। आईजीएफआरआई के कृषि वैज्ञानिक द्वारा फसलों के विविधीकरण तथा चारे के उत्पादन द्वारा पशुपालन को कृषि में शामिल करके समन्वित कृषि विकास पर जोर दिया गया। उप कृषि निदेशक द्वारा कृषि विभाग की सोलर फेन्सिंग, पीएम कुसुम, पीएम किसान एवं यत्रीकरण तथा प्रदर्शन हेतु निःशुल्क बीज वितरण आदि के बारे में कृषकों को विस्तृत जानकारी दी गयी और कृषकों की समस्याओं का निराकरण किया।

महिलाओं के हक व समस्या समाधन के सदैव तत्पर है सरकार : अर्चना पटेल

राज्य महिला आयोग सदस्या अर्चना पटेल ने की महिला

ललितपुर। पीडब्लूडी गैस्टहाऊस में जनसुनवाई करतीं महिला आयोज सदस्या।

ललितपुर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को स्थानीय स्तर पर त्वरित न्याय दिलाने के साथ पीड़ितों की सुगमता के दृष्टिगत बुधवार को सदस्या अर्चना पटेल ने पीडब्ल्यूडी सर्किट हाउस में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ जनपद की महिलाओं की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण का प्रयास किया।
इस दौरान मुख्यतः पुलिस, घरेलू हिंसा व राजस्व सहित विभिन्न विभागों से सम्बंधित कुल 38 प्रार्थना पत्र आये, जिनमें से 4 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया और शेष समस्याओं को सम्बंधित अधिकारियों को आदेशित कर 15 दिन में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराकर आख्या जिला प्रोबेशन अधिकारी के माध्यम से उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। महिला जनसुनवाई के दौरान शहर के मोहल्ला तालाबपुरा की महिलाओं ने प्रभुदयाल सेन वकील के मकान से संतोष सिंह पटेल के मकान तक सड़क व नाली निर्माण हेतु ज्ञापन दिया। आयोग की सदस्या ने मौके पर ही अधिशासी अधिकारी नगर पालिका से दूरभाष पर वार्ता कर समस्या समाधान एक माह में कराने का आश्वासन दिया। थाना गिरार क्षेत्र के ग्राम पीढार निवासी महिलाओं की शिकायत पर पुलिस क्षेत्राधिकारी से दूरभाष पर वार्ता कर दबंगों पर कड़ी कार्यवाही कर धाराओं में बढ़ोत्तरी के निर्देश दिये गये। कचनौदाकलां की भागवती की शिकायत पर भावनी बांध और कचनौदा बांध के मछली ठेकेदार कैलाश नारायण कुशवाहा द्वारा कर्मचारी के शोषण की शिकायत पर ठेकेदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिये। महिला बंदियों के अधिकारों व उन्हें दी जा रही सुविधाओं के स्थलीय निरीक्षण के लिए महिला आयोग की सदस्या ने जिला कारागार में महिला बैरक का निरीक्षण किया। यहां जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि महिलाओं की दैनिक उपयोग की वस्तुओं का विशेष ध्यान रखा जाए और उनके कौशल वृद्धि हेतु प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये जाएं। आयोग की सदस्या ने स्वास्थ्य केन्द्र बिरधा का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। यहाँ अव्यवस्थाओं पर नाराजगी व्यक्त करते हुए एमओआईसीद्ध बिरधा को फटकार लगाते हुए निर्देश दिये कि प्रसव कक्ष का शौचालय तत्काल सही करायें और स्वास्थ्य केन्द्र में साफसफाई की व्यवस्थाएं दुरुस्त करें।
इस दौरान अपना दल से अध्यक्ष मनोहर पटेल, जिला महासचिव राजेन्द्र सिंह यादव, जिला उपाध्यक्ष विक्रान्त मोदी, प्रदेश सचिव ज्वाला निरंजन, विधान सभाध्यक्ष संतोष पटेल शिवम गुप्ता, रामगुलाम, मोनी सनी, सोहल लाल, मिन्टू सतभैया, लवकुश तिवारी, बिट्टू लिटौरिया, रोली गुप्ता, प्रिन्स पटेल, रामप्रताप सिंह, श्रेयांश, सानू, पृथ्वी पटेल, मु.अता वारिस सहित उप जिलाधिकारी निशान्त तिवारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी नन्दलाल सिंह, जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

वैगा जाति के प्रमाण पत्र जारी हों

कलेक्ट्रेट में वैगा बंधुओं ने किया प्रदर्शन

ललितपुर। कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते वैगा जाति के लोग।

ललितपुर। तहसील महरौनी क्षेत्रांतर्गत रहने वाले वैगा लोगों ने जाति प्रमाण पत्र बनाये जाने की मांग को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। उन्होंने आरक्षित वैगा अनुसूचित जाति के प्रमाण पत्र बनाये जाने के लिये जिलाधिकारी को संबोधित एक ज्ञापन कलैक्ट्रेट में सौंपा। प्रदर्शन कारियों ने ज्ञापन में बताया कि जाति प्रमाण पत्र शासन के आदेश के तहत महरौनी तहसील में कुछ गांव के जारी किये गये हैं। कुछ गांवों के प्रमाण पत्र रोक दिये गये हैं। इस कारण वैगा अनुसूचित जाति के लोगों कोशासन की विभिन्न योजनाओं का व उनके बच्चों को स्कूल में प्रवेश से वंचित होना पड़ेगा। बताया कि तहसील तालबेहट में प्रमाण पत्र जारी किये गये हैं। वहीं महरौनी क्षेत्र में भी प्रमाण पत्र रोके गये हैं, जिससे समुदाय के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने महरौनी तहसील क्षेत्रांतर्गत भी प्रमाण पत्र जारी किये जाने की मांग उठायी है। वैगा जाति के लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि 2 दिन के अंदर उनके जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं किये जाते हैं तो वह सभी कलेक्ट्रेट परिसर में ही धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। ज्ञापन देते समय विनोद वैगा, इमरत, महेन्द्र नाथ, लखन, धनीराम, रामेश्वर, संजू भैया, रामदीन, छक्की नाथ, ब्रजेश कुमार, विनोद कुमार, आशाराम, बाबूलाल आदि मौजूद रहे।

बैरीकेटिंग तोड़कर ट्रक ने युवक को रौंदा, एफआईआर दर्ज

ललितपुर। शहर क्षेत्रांतर्गत मोहल्ला चौबयाना निवासी अशोक कुमार पुत्र रामदीन रैकवार ने पुलिस की तहरीर दी है। बताया कि 30 मई को शाम करीब साढ़े चार बजे उसका साले का लड़का नीरज पुत्र स्व.दयाली रैकवार तालबेहट के मोहल्ला चौबयाना नेशनल हाई-वे पर मजदूरी का कार्य कर रहा था। इसी बीच तेज गति व लापरवाही से बैरीकेटिंग तोड़कर आये ट्रक संख्या यू.पी.93 सी.टी. 2441 ने टोल प्लाजा वीघाखेत के बेयरहाऊस के सामने जोरदार टक्कर मारते हुये उसे रौंद दिया और ट्रक ऊपर चढ़ गया। बताया कि साथ में काम कर रहे तालबेहट निवासी महेश पुत्र चुन्नी समेत अन्य लोगों ने इस घटना को देखा। मौके पर हाई-वे एम्ब्युलेंस के जरिए अस्पताल ले जाते समय नीरज ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर ट्रक चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 106 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

एसडीपीएस इंटरनेशनल स्कूल का छात्र ने जेईई एडवांस्ड परीक्षा में सफल

ललितपुर। सफल मेधावी को सम्मानित करता विद्यालय परिवार।

ललितपुर। एसडीपीएस इंटरनेशनल स्कूल के छात्र अर्पित साहू ने प्रतिष्ठित जेईई एडवांस्ड परीक्षा 2025 में ऑल इंडिया रेंक 4404 एवं ओबीसी वर्ग में 841वीं रैंक प्राप्त कर विद्यालयए अभिभावकों एवं समस्त जनपद का नाम गौरवान्वित किया है।
विद्यालय के चेयरमैन कमलेश चौधरी ने इस गौरवशाली उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहारू हमारा प्रयास है कि बच्चों को न केवल किताबी ज्ञान दिया जाए, बल्कि उन्हें प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए भी मानसिक और बौद्धिक रूप से तैयार किया जाए। प्रधानाचार्य राकेश सिन्हा ने कहा कि इस उपलब्धि ने यह सिद्ध कर दिया कि उनका विद्यालय सही दिशा में उन्नति कर रहा है। विद्यालय परिसर में इस अवसर पर एक छोटा सा आयोजन कर सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। मिठाइयाँ बाँटी और छात्र का सम्मान किया गया। अर्पित ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और विद्यालय को दिया है।

न्यूज ब्रीफ

युवती से छेड़छाड़ और अपहरण के प्रयास का मामला दर्ज

ललितपुर। तालबेहट के एक मोहल्ला में रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि मोहल्ले में रहने वाला मुसीर खान पुत्र लतीफ खान उसकी पुत्री के साथ आये दिन छेड़खानी कर परेशान करता है। बीते मंगलवार को अपराह्न करीब 2 बजे जब उसकी पुत्री ट्यूशन के लिए जा रही थी, तब स्टेशन पर उक्त व्यक्ति आया और उसकी पुत्री से अपने दोस्तों के सामने अभद्र भाषा में बात करने लगा। विरोध करने पर उक्त लोगों ने उसकी पुत्री का हाथ पकड़ कर जबरन अपनी गाड़ी संख्या यू.पी. 94 व्ही 0337 पर बैठाने की कोशिश की। तभी पीड़िता का चाचा मौके पर आ गया और उन्होंने उक्त लोगों को ललकारा तो उक्त लोग मौके से पुत्री का अपहरण करने की धमकी देते हुये भाग गये। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी पर पॉक्सो एक्ट जैसे कई मुकद्दमें पहले से चल रहे हैं, और वह छह माह जेल में रह चुका है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त व्यक्तियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 74 व 351 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

आयशर ट्रक की टक्कर से युवक की मौत पत्नी घायल

ललितपुर। मड़ावरा में रहने वाले मंगल प्रसाद पुत्र सरमन ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि उसका 31 वर्षीय पुत्र सुनील कुमार जो कि रेलवे विभाग में टेक्निशियन ग्रेड बी के पद पर वर्कशॉप झांसी में कार्यरत था, जो कि बकरीद का अवकाश होने के कारण अपनी पत्नी लख्मीदेवी के साथ मोटर साइकिल संख्या यू.पी.94 ए.एफ. 6115 से बीती 7 जून को झांसी से घर मड़ावरा की ओर जा रहा था। बताया कि सुबह करीब 6.50 बजे प्रिंस ढ़ाबा तालबेहट हाई-वे तक पहुंचा ही था कि तभी विपरीत दिशा से आ रहे आयशर ट्रक संख्या यू.पी. 93 टी 6019 ने उसकी गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसका पुत्र अपनी पत्नी समेत उछलकर जमीन पर गिर गया और घायल हो गया। बताया कि मौके पर लोगों द्वारा दोनों को घायलावस्था में उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तालबेहट में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के दौरान पुत्र सुनील कुमार को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि उसकी पत्नी लक्ष्मीदेवी को झांसी मेडीकल कॉलेज रेफर किया गया। बताया कि उसके पुत्र की गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गयी। पीड़ित ने बताया कि घटना के समय आयशर गाड़ी को विजय सिंह परिहार पुत्र बलवीर सिंह चला रहा था। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आयशर गाड़ी चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125 (बी), 106 (1), 324 (4) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

जनपद में लगे धारा 163 के प्रतिबंध, पहले इसे कहते थे 144

एडीएम ने जारी की अधिसूचना

ललितपुर। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अंकुर श्रीवास्तव द्वारा जनपद ललितपुर की सीमा के भीतर निवास करने वाले तथा आने जाने वाले सभी व्यक्तियो के लिये धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता अर्न्तगत आदेश जारी किया गया है। यह वही प्रतिबंधात्मक आदेश है जो पहले सीआरपीसी की धारा 144 के तहत जारी होता था।
माह जूनए 2025 में होने वाली प्राविधिक परीक्षायें प्रस्तावित हैं। जनपद में आसामाजिक तत्वों द्वारा निजी स्वार्थ हेतु शांति व्यवस्था भंग करने एवं सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के प्रयास की संभावना को रोकने के लिये शांति व्यवस्था के निमित्त प्रतिबंध लगाये गये हैं। यह आदेश 12 जून से 15 जून 2025 तक जनपद ललितपुर की सीमान्तर्गत प्रभावी होंगे।
अब किसी भी स्थान परए अथवा परीक्षा केन्द्रों के आसपास पाँच या उससे अधिक व्यक्ति समूह के रूप में एकत्रित नहीं होंगे। सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना कोई भी व्यक्ति, पार्टी अथवा संगठन किसी तरह का प्रर्दशन नहीं करेगें। कोई भी व्यक्ति अस्त्र-शस्त्र लेकर नहीं चलेगा। धार्मिक स्थल आदि पर इस प्रकार का ऐसा भाषण, वक्तव्य चाहे वह मौखिक हो या लिखित रूप में जारी नहीं करेगा, जिससे किसी धर्म, जाति, सम्प्रदाय अथवा समुदाय, व्यक्ति विशेष की भावनाओं को ठेस पहुँचे। किसी धार्मिक स्थल का प्रयोग राजनैतिक गतिविधियों के लिये नहीं किया जायेगा। मदिरा व अन्य मादक पदार्थ का सेवन कर जुलूस एवं अन्य सार्वजनिक आयोजनों में प्रवेश नहीं हो सकेगा। कोई भी व्यक्ति मोबाईल पर किसी भी प्रकार की अवांछनीय पोस्ट नही डालेगा जिससे की साम्प्रदायिक माहौल खराब हो। सक्षम अधिकारी की अनुमति के विना लाउडस्पीकर तथा डीजे का प्रयोग नहीं हो सकेगा।

गाँधीनगर में पुलिया क्षतिग्रस्त, बना हादसों का खतरा

ललितपुर। गाँधीनगर में क्षतिग्रस्त पुलिया।

ललितपुर। शहर के वार्ड-4 गाँधीनगर की मुख्य सड़क पर बिहारी राशन वाली गली की पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई है, जिससे यहां आये दिन कोई न कोई वाहन फंसता है और लोग चोटिल हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा कई वर्षों पहले इस पुलिया का निर्माण कराया गया था, जो क्षतिग्रस्त हो गई है। परन्तु शिकायत करने के बाद भी अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है। चूंकि इसी पुलिया के पास बिहारी राशन के नाम से उचित दर विक्रेता की दुकान है, जिस पर सैकड़ों लोग राशन लेने आते हैं और साहू मोहल्ले का मुख्य मार्ग होने के कारण यहां से गुजरने वाले लोग अक्सर इस पर दुर्घटनाग्रस्त होते हैं। रात को पर्याप्त रोशनी न होने पर स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है, पैदल चलने वाले भी इस पुलिया का शिकार हो जाते हैं। इसलिए मोहल्लेवासियों ने नगर पालिका से पुलिया मरम्मत कराये जाने की मांग की है।

बानपुर पुलिस ने दबोचे 5 वारण्टी

ललितपुर। पुलिस की हिरासत में वारण्टी।

ललितपुर। थाना बानपुर पुलिस ने ग्राम बानौनी निवासी आमोद सिंह पुत्र हरज्ञान सिंह राजपूत, ग्राम खिरिया छतारा निवासी श्यामलाल पुत्र हज्जू बुनकर, जगदीश पुत्र गोविन्द सिंह, खिलन उर्फ कब्बाल पुत्र नन्दू सहरिया एवं मऊमाफी निवासी उमरबाई पत्नी महेश कबूतरा को हिरासत में लिया है। वारण्टियों को पकड़ने वाली पुलिस टीम में बानपुर थानाध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी, उपनिरीक्षक विकास यादव, उपनिरीक्षक अनुज कुमार, उपनिरीक्षक मनोज कुमार, उपनिरीक्षक बाली सिंह, कॉस्टेबिल अजय कुमार, कॉस्टेबिल आनन्द कुमार, कॉस्टेबिल मनीष कुमार शामिल रहे।

प्रयागराज एक्सप्रेस से महिला यात्री का बैग चोरी

ललितपुर। उत्तर प्रदेश के जिला चन्दौली अंतर्गत छतेम सैयदराजा निवासी अपराजिता मौर्या पुत्री रामप्यारे मौर्या ने जीआरपी पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीती 9 जून को वह ट्रेन संख्या 14115 प्रयागराज एक्सप्रेस के कोच संख्या एस-5 की सीट संख्या 56 पर संत हरीधाम नगर से शंकरनाथ तक की यात्रा कर रही थी। बताया कि बीना जंक्शन से जैसे ही गाड़ी निकली तो किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसका लडीज बैग चोरी हो गया। बैग में लैपटॉप, 500 रुपये कैश, आधार कार्ड, कम्पनी की आईडी कार्ड, कॉलेज आईडी, कपड़े और आवश्यक सामान था, जो कि बीना रेलवे स्टेशन पर चोरी हो गया। जीआरपी पुलिस ने महिला की तहरीर पर अज्ञात चोर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

कम्पनी का ड्राईवर बताकर चुरा ले गया मोटर साइकिल

अज्ञात के खिलाफ कम्पनी के साइड इंजीनियर ने दर्ज करायी एफआईआर

ललितपुर। मेसर्स सागर जैन इन्फ्रा प्राईवेट लिमिटेड में साइड इंजीनियर पद पर तैनात व्यक्ति ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। मूल रूप से सिद्धार्थनगर के थाना डुमरियागंज पोस्ट हल्लोर निवासी मो.आदिल पुत्र अम्बर मेहदी ने पुलिस को बताया कि उसकी कम्पनी अमृत भारत योजना के तहत 12 मीटर चौड़ा एफओबी का निर्माण करा रही है। कम्पनी द्वारा उसे एफओबी के काम का निरीक्षण करने के लिए हीरो एचएफ डीलक्स मोटर साइकिल संख्या एच.आर. 22 आर 6962 दी गयी थी, जिससे उसके द्वारा कम्पनी के कार्यों का निरीक्षण किया जाता है। बताया कि 20 मई को उसके द्वारा मोटर साइकिल को कम्पनी के काम से कम्पनी का सुपरवाइजर हरियाणा राज्य के जिला हिसार अंतर्गत थाना आजादनगर सदर के ग्राम चौधरीवास निवासी विशाल विश्नोई पुत्र रमेश कुमार 10.30 बजे ले गया था। उक्त बाइक से सुपरवाइजर विशाल अपने किसी अज्ञात साथी के साथ जो कि स्वयं को कम्पनी का ड्राईवर बता कर उसी दिन 20 मई 2025 को 11.15 बजे रेलवे स्टेशन तिराहा से लेकर चला गया। कम्पनी द्वारा सुपर वाइजर ने खड़े होकर काफी इंतजार किया, लेकिन वह लौटकर वापस नहीं आया। काफी खोजबीन करने पर भी उक्त युवक का पता नहीं चला। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने उक्त युवक पर अमानत में ख्यानात करने के आरोप में बीएनएस की धारा 316 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

किसान नई तकनीक और शासकीय योजनाओं से रहे लाभान्वित : कृषि मंत्री

■ विकसित कृषि संकल्प अभियान का मंत्री ने किया शुभारंभ ■ प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

चित्रकूट। कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही।

चित्रकूट। मंत्री कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत सिद्धपुर में द्वीप प्रज्वलित कर विकसित कृषि संकल्प अभियान का हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं शिवराज सिंह, कृषि मंत्री के पहल पर यह अभियान 29 मई से प्रारम्भ किया है। प्रदेश में मुख्यमंत्री द्वारा यह प्रारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य किसानों तक कृषि की नवीनतम तकनीकी एवं संचालित योजनाओं की जानकारी पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि किसानों से सम्बन्धित योजनाओं को कृषक बन्धुओं तक पहले पहुंचाने के लिये राज्य एवं केन्द्र सरकार कटिबद्ध है, जिसके लिये जनपद स्तर पर विभिन्न प्रकार के बीजों का वितरण पीओएस मशीन के माध्यम से किया जा रहा है। जनपद के किसानों से अपेक्षा की कि दाल, तेल के लिये दलहन एवं तिलहन तथा श्रीअन्न में सावा कोदो मडुआ व मक्का की फसलें अधिक मात्रा में तैयार करें, क्योंकि बुन्देलखण्ड की जमीन इसके लिये अनुकूल है। जहां पर पानी की उपलब्धता पर्याप्त है वहां पर ही धान व गेहूं की खेती की जानी चाहिये। फसल को समय पर लगाए नहीं तो घाटा होगा कहा कि बुंदेलखंड में पहले लोग फांसी लगा लेते थे अब प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री की सरकार में ऐसा नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री के शासनकाल में रिकॉर्ड उत्पादक हुआ है। कृषि मंत्री द्वारा एक राष्ट्र एक चुनाव का समर्थन भी किया। उत्तर प्रदेश गौ सेवाआयोग अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने कहा कि बढ़ता हुआ तापमान एवं घटता हुआ खेती देश के लिए ठीक नहीं है। पहले किसान गांव में रहते थे अब किस शहर में रहने लगे हैं। देश में खेती के लिए 76 हेक्टेयर भूमि बची है जिस तरह से घटती हुई खेती का रकबा कम हुआ है इस तरह गोवंश की भी संख्या घटी है कहा कि गाय ही खेती का समाधान है। राष्ट्रीय संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान डॉ0 अभय महाजन ने कहा कि नाना जी देशमुख ने कहा था कि गांव समृद्ध होगा तो देश समृद्ध होगा इसलिए हम सभी को स्वावलंबी बनना पड़ेगा तभी हम कृषि के क्षेत्र में और नई-नई तकनीकियों के बारे में सीखेंगे।

इस अवसर पर जिला खाद्य विपणन अधिकारी अविनाश झा, जिला कृषि अधिकारी आरपी शुक्ल, कमला शंकर शुक्ला, डॉ0 सतीष पाठक, उत्तम कुमार त्रिपाठी वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र सत्येंद्र सिंह, आदित्य भदौरिया, डॉ0 रंजीत सरोज, मनोज कुमार आदि उपस्थित रहे।

किसानो को बांटी मिनीकिट

चित्रकूट। कृषि मंत्री ने किसान शिवप्रकाश, सुकरी देवी, रानी देवी, शकुन्तला देवी एवं भवानीदीन को मिनीकिट वितरित किया तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत किसान उदयभान सिंह व देवपाल सिंह को चना के क्लेम के निस्तारण से सम्बन्धित पत्र दिया तथा किसान राज बहादुर, सीताराम पाण्डेय को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया।

गोदाम मे बीज, उर्वरक की है उपलब्धता-राजकुमार

चित्रकूट। उप कृषि निदेशक राजकुमार ने खरीफ उत्पादकता रणनीति पर कहा कि सभी गोदाम पर विभिन्न प्रकार के बीज उपलब्ध है तथा उर्वरक, रसायन की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है। किसानों के ऋण के लिये किसान क्रेडिट कार्ड तैयारी करने की रणनीति भी तैयार की जा चुकी है।

कृषि वैज्ञानिको ने फसलो पर किया जागरूक

चित्रकूट। आरएस नेगी वरिष्ठ वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र ने खरीफ फसलों के बीमारियों एवं उनके बचाव। डॉ0 उत्तम कुमार त्रिपाठी वैज्ञानिक ने खरीफ उत्पादकता एवं फसल की तैयार की समसमायिक जानकारी एवं डॉ0 सतीश पाठक वैज्ञानिक ने मृदा परीक्षण एवं जलवायु के बारे में जानकारी दी।

भीषण गर्मी मे बगैर लाइट के अंधेरे मे जी रहे ग्रामीण

चित्रकूट। डीएम को लिखे पत्र मे मानिकपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत गढ़चपा का मजरा जरका पुरवा में आजादी के बाद से आज तक लाइट नहीं पहुंची है जिससे ग्रामीण भीषण गर्मी से परेशान हैं। जबकि ग्रामीणों द्वारा बिजली विभाग के उच्च अधिकारियों को लिखित शिकायती पत्र के माध्यम से कई बार अवगत कराया गया लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई। आज भी ग्रामीण अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हर जगह लाइट पहुंचने के बावजूद भी जरका पुरवा मजरा गढ़चपा में आज भी लाइट नहीं पहुंची ऐसा सौतेला व्यवहार क्यों हो रहा है। एक तरफ हमारे देश के प्रधानमंत्री का कहना है कि पूरे देश प्रदेश जनपद के हर गांव के कोने-कोने में कोई भी गांव का मजरा नहीं छूटना चाहिए और सरकार दावा भी कर रही है कि हमने हर जगह लाइट पहुंचाने का काम किया है लेकिन वहीं दूसरी ओर उनके गांव के मजरा जहां आजादी के बाद से आज भी वहां लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा मनगढ़ंत फर्जी तरीके से आख्या रिपोर्ट प्रेषित की जाती है कि लाइट पहुंच गई है सिर्फ कागजों में लाइट पहुंच गई है और ग्रामीण आज भी अंधेरे में जी रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

न्यायालय ने सजा से किया दण्डित

चित्रकूट। न्यायालय ने गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने के अभियुक्तों को न्यायालय उठने तक की सजा व चार हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया। सहायक अभियोजन अधिकारी सिद्धार्थ सिंह ने बताया कि न्यायाधीश ग्राम न्यायालय मानिकपुर अंशुमान यादव ने अभियुक्त दीपक सिंह, भूपेन्द्र सिंह पुत्र रामकल्याण सिंह निवासीगण अगरहूडा को न्यायालय उठने तक की सजा व दो-दो हजार रूपए के अर्थदण्ड से दंडित किया। उधर सहायक अभियोजन अधिकारी सिद्धार्थ सिंह ने बताया कि न्यायाधीश ग्राम न्यायालय मानिकपुर अंशुमान यादव ने जुआ अधिनियम के आरोपी अमरनाथ रैदास पुत्र बुद्धिलाल निवासी मऊ गुरदरी को सौ रूपए के अर्थदण्ड से दंडित किया।

एसडीएम न्यायालय मे साक्ष्य के साथ हो उपस्थित

चित्रकूट। उप जिलाधिकारी सुश्री पूजा साहू ने बताया कि नामिका अधिवक्ता राजस्व ने बतौर गांव सभा उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से 6 जून प्रस्तुत कर न्यायालय उप जिलाधिकारी कर्वी में विचाराधीन वाद रिपोर्ट लेखपाल बनाम मृतक गोपी आदि मौजा भरथौल में प्रतिवादी जिनमें अवधेश पुत्र स्व0 हनुमान, दिनेश पुत्र स्व0 चुनकू, धनेश पुत्र स्व0 चुनकू, रत्नेश पुत्र स्व0 चुनकू, रमेश पुत्र स्व0 हनुमान, अशोक कुमार पुत्र शिवशंकर, राजेश पुत्र शिवशंकर, शिवऔतार पुत्र बुआराम, एवं द्वारिका प्रसाद पुत्र रामप्रताप निवासी भरथौल तहसील कर्वी नियत तिथि 13 जून को उप जिलाधिकारी कर्वी न्यायालय में साक्ष्य सहित उपस्थित हों।

16 जून को होगी बैठक

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर ने बताया कि जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति- दिशा की बैठक कृष्णा देवी पटेल की अध्यक्षता में 16 जून को मध्यान्ह 12 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत की गई है।

आज अन्तर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस मानाया जायेगा

चित्रकूट। सहायक श्रमायुक्त आरके गुप्ता ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 12 जून को अन्तर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस मानाया जाता है। अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा इसकी शुरूआत वर्ष 2002 में की गयी थी। इस दिवस को वैश्विक स्तर पर मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य बाल श्रम के विरूद्ध जागरूकता संचारित करते हुये आम जन समुदाय को बाल अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। 12 जून से 17 जून 2025 तक बाल श्रम निषेध सप्ताह मनाया जायेगा। जनपद में बाल श्रम उन्मूलन करने के तहत कड़ी कार्यवाही की गयी। जिसके तहत 90 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कराकर बाल श्रमिक या किशोर नियोजित करने वाले 65 सेवायोजकों के विरूद्ध मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में वाद पंजीकृत कराया गया है। बाल श्रमिक नियोजित पाये जाने पर न्यूनतम 6 माह से लेकर 2 वर्ष तक के कारावासया 20000 से लेकर रू0 50000 तक का अर्थदण्ड या दोनो से दण्डित करने का प्राविधान है। बाल श्रम नियोजन सम्बन्धी सूचना पुलिस हेल्पलाइन 112, श्रम विभाग के पेन्सिल पोर्टल, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 अथवा नजदीकी श्रम विभाग के कार्यालय पर सूचना दे सकते है।

नामदेव समाज महोबा द्वारा मेधावी छात्रों को किया गया सम्मानित

महोबा संवाददाता राम लखन सोनी। सन्त नामदेव समाज सेवा समिति के तत्वाधान में महोबा मुख्यालय के राजकीय बालिका इंटर कालेज में नामदेव समाज के कक्षा 10वीं, 12वीं एवं उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में चनयित छात्रों की अद्भुत शैक्षणिक उपलब्धियों के उपलक्ष्य में एक' विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिनके नाम क्रमशः हाई स्कूल के छात्र - विजय नामदेव, लक्ष्मी देवी, हिमांशु नामदेव, विनय नामदेव ,स्वाति नामदेव, माही नामदेव ,सौम्या नामदेव ।इंटरमीडिएट के छात्र -मोहिनी नामदेव, अंशुल नामदेव, प्रियांशु नामदेव, हेमंत नामदेव, ऋषभ नामदेव ,प्रशांत नामदेव, यशवर्धन नामदेव। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में चनयित छात्र- मुकुटमणि नामदेव,हेमंत नामदेव, हर्ष नामदेव , शिवानी नामदेव, पंकज नामदेव, कृष्णकांत नामदेव, आशीष नामदेव को उपहार स्वरूप सन्त नामदेव जी की प्रतिमा, सम्मान पत्र, और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया । यह कार्यक्रम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्टता को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

किसान कॉंग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष के नेतृत्व में ग्राम मैलवारा में हुयी किसान पंचायत

एक महीने के अन्दर मैलवारा में गौशाला का निर्माण नही हुआ तो होगा विकासखण्ड का घेराव : परिहार

मऊरानीपुर (झाँसी) उत्तर प्रदेश किसान कॉंग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष शिवनारायण सिंह परिहार के नेतृत्व में एक विशाल किसान पंचायत तहसील मऊरानीपुर के अन्तर्गत आने वाले ग्राम मैलवारा में आयोजित की गयी। जिसमें गौशाला निर्माण को लेकर सैकडों किसानों ने जिम्मेदारों के खिलाफ मोर्चा खोलते हुये विकासखण्ड मऊरानीपुर के घेराव की घोषणा की। पंचायत में किसानों, महिलाओं, बच्चों ने भाग लेते हुये अपनी अपनी पीडा को पंचायत के माध्यम से उठाया। वही परिहार ने किसानों की पीडा बारी बारी से सुनते हुये 3000 आबादी के ग्राम में सरकारी योजनाओं को कोसों दूर ग्रामीणों ने बताया। कई मूलभूत समस्यायें बराबर ग्रामीणों की परेशानी बनी हुयी है। जिसमें उखडी पडी सडक का निर्माण न होना, गौशाला न होना, अन्ना जानवरों का छुट्टा घूमना, हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट तक विधालय न होना। जिसको लेकर चेतावनी देते हुये परिहार ने कहा कि अगर एक महीने के अन्दर मैलवारा में गौशाला का निर्माण नही हुआ तो मजबूरनवस विकासखण्ड मऊरानीपुर का घेराव किया जायेगा। इस मौके पर पंचायत में मुख्य रुप से हरलाल यादव, आशाराम यादव, पुष्पेन्द्र यादव, नरेन्द्र विश्वकर्मा, पप्पू यादव, वीर सिंह यादव, रामचरण कुशवाहा, लखन पटेल, दशई अहिरवार, छिंगे पाल, छंदी कोरी, भजन प्रजापति, मुन्ना कोरी, भगवान दास, घनश्याम कोरी, राकेश विश्वकर्मा, परम लाल अहिरवार, धर्म यादव, राकेश कुशवाहा, प्यारे लाल बेघडक, शेखर राज बडौनिया सहित सैकडों किसान उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना में गरीबों को लूटने वाले जायेंगे जेल : नरेंद्र मिश्रा

महोबा संवाददाता राम लखन सोनी। भाजपा के युवा नेता हमेशा जनता की सेवा में समर्पित रहने वाले पंडित नरेंद्र मिश्रा अचानक पुलिस लाइन में स्थित एक प्राइवेट मकान में पहुंचे पूछने पर पता चला कि वो रूद्र इंटर प्राइजेज का ऑफिस है , वहा पर पड़ी फाइलों में अचानक नजर पड़ते ही वो हैरान हो गए कि प्रधान मंत्री आवास 2 की फाइलें यहां क्यों पड़ी है कुछ गड़बड़ समझ में आया इसी दौरान वहां कुछ मीडिया कर्मी भी पहुंच गए ,अब ये फाइल कहा से आई क्यों यहां पड़ी है और ये रुद्र इंटर प्राइजेज तो ब्लैकलिस्टेड है एवं वहां एक कर्मचारी मिले जो अपने आप को इसी विभाग के बता रहे थे और फाइलें को फीड कर रहे थे वहीं पर एक व्यक्ति और मिला जिससे पूछने पर अपने आप को चरखारी में पोस्टिंग की बात की तो जेई बताया ,,जब की शासनादेश में इनको पहले ही रोक लगाई जा चुकी है इस दौरान पंडित नरेंद्र मिश्रा ने मीडिया को बताया कि इस सब की जांच होगी,दिन का काम रात में और वो भी एक ब्लैकलिस्टेड प्राइवेट ऑफिस में बैठकर शासनादेश के विरोध में जाकर जो काम करेगा, उनके खिलाफ कार्यवाही होगी गांव गरीब किसान मजदूर को लूटने वाले भ्रष्ट एवं भ्रष्टाचार में शामिल कर्मचारी जेल जायेंगे , योगी सरकार है छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं, इस दौरान उनके साथ धनेंद्र दीक्षित स्वावलंबी भारत अभियान के संयोजक भी रहे ।

आसमान से बरस रही है आग, लू के थपेड़ों ने लोगों का जीना किया मुश्किल

गुरसराय। सूरज के तल्ख तेवरों के आगे अब लोगों का हाल बेहाल होता जा रहा है। आसमान से आग बरस रही है और लोग भीषण गर्मी से परेशान हो रहे हैं। तेज धूप से तापमान 45 पार बना हुआ है। रात में भी सुकून न मिलने से लोग बिलबिला रहे हैं।भीषण गर्मी का दौर शुरु हो चुका है। स्थिति यह है कि सुबह 10 बजे से ही गर्म हवाओं के थपेड़े लोगों को झुलसा रहे हैं। बीते दो दिन में अधिकतम तापमान में वृद्धि हुई है और पारा 45 डिग्री के पार पहुंच गया है। दिनभर झुलसा देने वाली धूप और गर्मी ने लोगों के हाल बेहाल कर दिया है। तेज धूप से बचने के लिए लोग कई प्रकार के जतन करते दिख रहे हैं।घर से निकलने से पहले लोगों का मुंह पर कपड़ा बांधकर निकलना मजबूरी बन गया है। दोपहर में तो शहर की सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। जिस तरह गर्म हवाएं चल रही हैं उससे लू का खतरा भी बढ़ता जा रहा है।जून के महीने में आसमान से बरस रही आग के चलते पारा लगातार बढ़ता जा रहै। जिसके कारण आग उगलती गर्मी एवं लू के थपेड़ों ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। भारी तपिश तथा झुलसा देने वाली गर्मी के इस मौसम में अभी तक किसी भी सरकारी संस्था या समाजसेवी संस्था ने नगर में सार्वजनिक प्याऊ नही लगवाई है। जिसके कारण राहगीर गर्मी में पेयजल के लिए परेशान हो रहे हैं। पारा 45 डिग्री के आसपास पहुंच गया है।गर्मी के मौसम में लोगों को सबसे अधिक प्यास सताती है। इस मौसम में लू से बचने के लिए एवं गले को तर करने के लिए शीतल जल की जरूरत होती है। नगर के मुख्य बाजार गल्ला मण्डी, मोदी चौराहा, पुराना बस स्टैंड गरौठा चौराहा सरकारी अस्पताल समेत तमाम सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था नहीं है।

जन शिकायतों के समाधान में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर जिलाधिकारी ने की कड़ी कार्यवाही

महोबा संवाददाता राम लखन सोनी। जन शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शिकायतकर्ता की संतुष्टि के आधार पर किया जाना ही शासन की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य के पूर्ति व जनपद को प्रदेश में अच्छी स्थिति में बनाए रखने के उद्देश्य से आज 11जून 2025 को जिलाधिकारी गजल भारद्वाज द्वारा अपर जिलाधिकारी (वि/रा) राम प्रकाश के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में जन शिकायतों से सम्बंधित जनसुनवाई पोर्टल की समस्त जिलास्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर गहन समीक्षा की गई।**महोदया द्वारा पोर्टल पर जनपद की पूर्व स्थिति व वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए रैंकिंग के निर्धारित 11 मूल्यांकन बिंदुओं पर विभाग/अधिकारी वार ई- डिस्ट्रिक्ट मैनेजर पुष्पेन्द्र निरंजन से जानकारी ली गई।जिसमे सबसे महत्वपूर्ण बिंदु, शिकायकर्ता से प्राप्त असंतुष्ट फीडबैक व शिकायतकर्ता से सम्पर्क न किए जाने (प्राप्त शिकायतें जिनका निस्तारण शिकायकर्ता की संतुष्टि के आधार पर नहीं हुआ)वाले निस्तारण से सम्बंधित अधिकारियों जैसे- जिला समाज कल्याण अधिकारी शशिकांत सिंह, अधिशाषी अभियंता विद्युत नगरीय पीयूष कुमार, अधिशाषी अभियंता विद्युत ग्रामीण अनिल कुमार व परियोजना अधिकारी डूडा राकेश कुमार वर्मा का वेतन रोकनें के निर्देश दिए तथा श्रम प्रवर्तन अधिकारी महेंद्र सिंह को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी नें अधिशाषी अभियंता जल निगम, रोडवेज व सहायक अभियंता लघु सिंचाई से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए।साथ ही निर्देश दिए गए कि प्रतिदिन प्रातः कार्यालय में पहुंचकर जनसुनवाई करे।साथ ही पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का संज्ञान लेते हुए शिकायतकर्ता से सम्पर्क कर संतुष्टि के आधार पर नियमानुसार निस्तारण करे ।यदि कार्यवाही में मौके पर जाने की आवश्यकता है तो स्थलीय निरीक्षण कर गवाहों के हस्ताक्षर, फोटोग्राफ सहित आख्या लगाई जाए। समीक्षा में शिकायतों का समय से, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न करने तथा अन्य खराब प्रदर्शन करने वाले विभागों जैसे खाद्य सुरक्षा,आबकारी, कार्यक्रम, स्वास्थ्य, पशु पालन, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, खनिज, ग्रामीण बैंक, कृषि, राजस्व, ग्राम्य विकास विभाग व नगर पालिका महोबा को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए गये।

इस बैठक में उपजिलाधिकारी सदर जितेन्द्र सिंह, उपजिलाधिकारी कुलपहाड़ अनुराग प्रसाद, उपजिलाधिकारी चरखारी डॉ प्रदीप कुमार, उपायुक्त मनरेगा अशोक कुमार, जिला विकास अधिकारी पंकज यादव एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अंक पत्र प्राप्त करें

गुरसराय। श्री कल्याण बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में हाई स्कूल / इंटरमीडिएट की अंक पत्र आ चुके हैं। उक्त जानकारी विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश दुबे ने दी समस्त छात्रों को सूचित किया जाता है कार्यालय समय 8 से 1 के बीच में अपनी-अपनी मार्कशीट प्राप्त कर सकते हैं।

खेर इंटर कॉलेज में अंक पत्रों का वितरण प्रारम्भ

गुरसरांय। खैर इंटर कॉलेज में हाईस्कूल एवं इंटर के अंकपत्रों का वितरण बालक एवं बालिका विभाग में किया जा रहा है।विद्यालय के कार्यालय समय मे छात्र छात्राएं प्राप्त कर लें। उक्त जानकारी प्रधानाचार्य धनप्रकाश तिवारी एवं कैलाश प्रकाश गुप्ता ने दी।

डॉ धन्नूलाल गौतम के निधन पर संगीतकारों ने जताया शोक

गुरसरांय। मां शारदा संगीत विद्यालय में एक शोक सभा संगीतगुरु पं परशुराम पाठक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई,जिसमें झाँसी जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम के पिताजी एवं संस्कार भारती तथा संगीत नाटक अकादमी के पदाधिकारी रहे पूर्व पालिका अध्यक्ष एवं संगीतकार डॉ धन्नूलाल गौतम के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। शोक सभा मे आकाशवाणी कलाकार पन्नालाल असर,गौरीशंकर सिरबैया,डॉ सुकदेव व्यास,सरजू शरण पाठक,देवेन्द्र घोष ,विवेक बरसैया,अखिलेश ब्रजेश त्रिपाठी, बनमाली वर्मा,भगवत नारायण समाधियां,सोनू पटेल आदि ने श्रदांजलि अर्पित कर शोक व्यक्त किया।

सुदामा चरित्र की कथा के साथ भागवत कथा का हुआ समापन

गुरसराय। श्री आशामाई मंदिर मडोर में संगीतमय श्री मद्भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ का सुदामा चरित्र की कथा के साथ समापन हो गया। कथावाचक भागवताचार्य ज्योतिष विशेषज्ञ आचार्य पं0 कौशल किशोर मिश्रा शास्त्री गरौठा ने सुदामा चरित्र की कथा सुनाते हुए कहा जो संतोषी होता है वही धनवान होता है। सुदामा जी परम संतोषी होने के कारण उन्हें धनवान कहा गया है।हरी नाम संकीर्तन ही कलयुग में मुक्ति का साधन बताया। कथा की आरती मुख्य यजमान संजू यादव श्रीमती भावना यादव ने की। इस मौके पर मंदिर के पुजारी राधाशरण एवं श रुक्मणी सखी जी संगीत बादक पंडित रामकिशोर मिश्रा गरौठा एवं भागवत मूल पाठ कर्ता पंडित शिवम मिश्रा शास्त्री,नाल बादक गोलू कुशवाहा सकरार आदि उपस्थित रहे।

मऊरानीपुर पुलिस ने 24 घण्टे में गुमशुदा बालक को बरामद कर, किया परिजनों को सुपुर्द

मऊरानीपुर (झाँसी) वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी के कुशल निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी मऊरानीपुर के पर्यवेक्षण व कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विधा सागर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम से उपनिरीक्षक दीपक तोमर चौकी प्रभारी देवरी एवं हमराही आशीष कुमार व रामू ने गुमशुदा बालक को 24 घण्टे के अन्दर सकुशल बरामद कर परिजनों को सुपुर्द किया गया। बता दे कि 9 जून को शहीद पुत्र मुन्ना खां निवासी ग्राम भण्डरा ने मऊरानीपुर थाने में तहरीर देकर सूचना दी थी। कि उसका बेटा नीशू करीब 13 वर्ष को उसने डांट दिया था। जिससे नाराज होकर वह बिना बताये कही चला गया। जिसके सम्बन्ध में थाना मऊरानीपुर में मामला धारा 137 (2) बीएनएस के तहत अज्ञात रुप से पंजासमद कर रबीकृत किया गया था। इसके बाद कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विधा सागर सिंह द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुये उच्चाधिकारी गण को सूचना से अवगत कराते हुये स्थानीय पुलिस टीम के अथक प्रयासों व सीसीटीवी फुटेज एवं फोटो प्रसारित के माध्यम से 24 घण्टे के अन्दर ही गुमशुदा बालक नीशू को सकुशल बरामद किया गया। अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही की जा रही है।

महिलाओं,बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, सर्वोच्च प्राथमिकता : अनुपमा सिंह

■ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना से गरीब कन्याओं को लाभान्वित करायें

■ सदस्य, राज्य महिला आयोग ने सुनी महिला उत्पीड़न की समस्यायें

झांसी जयूसं। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग, सदस्य श्रीमती अनुपमा सिंह लोधी की अध्यक्षता में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन सभागार में किया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम में सदस्य, राज्य महिला आयोग, उ.प्र.श्रीमती अनुपमा सिंह लोधी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वाबलम्बन एवं सशक्तिकरण प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में शुमार है, इस हेतु समस्त विभागीय अधिकारी अपने विभाग में संचालित सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र महिलाओं को लाभान्वित करायें, जिससे महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में और अधिक वृद्धि हो सके। प्राप्त शिकायतों की विवरण पंजिका भी तैयार करायें उन्होने कहा कि आज के महिला जनसुनवाई कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों से सम्बन्धित विभाग शिकायत की निस्तारण सम्बन्धी आख्या भी उपलब्ध करायें। इसके साथ ही उन्होने निर्देश दिये कि 01 जनवरी 2025 से वर्तमान समय तक आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रमों में प्राप्त शिकायतों की विवरण पंजिका भी तैयार करायें, जिससे शिकायतों पर की गयी कार्यवाही का अवलोकन किया जा सके।

अनुपस्थित अफसरों को जारी किया कारण बताओ नोटिस

सदस्य, राज्य महिला आयोग द्वारा महिला जनसुनवाई में अनुपस्थित विभागों (नगर निगम, बाल कल्याण समिति तथा राजस्व विभाग) के अधिकारियों को बैठक में अनुपस्थित होने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये।

जनसुनवाई में आए चार प्रकरण

जनसुनवाई कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार पटेल ने बताया कि उ.प्र. राज्य महिला आयोग के निर्देशानुसार जनपद झांसी में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने तथा आवेदक/आवेदिकाओं की सुगमता के दृष्टिगत आज यह महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जनसुनवाई कार्यक्रम में कुल 04 प्रकरण प्राप्त हुये जिसमें से 01 प्रकरण पुलिस विभाग, 01 प्रकरण राजस्व विभाग, 01 प्रकरण खाद्य आपूर्ति विभाग तथा 01 प्रकरण वन स्टॉप सेंटर से सम्बन्धित है।

यह लोग रहे उपस्थित

कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार पटेल, जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीमती रती वर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीमती ललिता यादव, सहायक श्रम आयुक्त दीपिका वर्मा, महिला थानाध्यक्ष श्रीमती किरन रावत, उप जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. अंशुमान तिवारी, प्रभारी बेसिक शिक्षा अधिकारी वेद प्रकाश सिंह, शहर मिशन प्रबन्धक राजकुमार, पूर्ति निरीक्षक अपूर्वा तिवारी, अपर जिला सूचना अधिकारी सुरेन्द्र पाल सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अखिलेश आगे भी बाहर रहेंगे : कृषि मंत्री

■ समाजवादी पार्टी की सरकार किसानों पर लाठीचार्ज करती थी, हम क्रेडिट कार्ड देते हैं

झाँसी जयूसं। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही बुधवार को झाँसी पहुँचे। वे रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में किसान संवाद में शामिल हुए। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाई। किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की तारीफ की। ये तस्वीर कृषि मंत्री के झांसी पहुंचने के दौरान की है। साथ ही समाजवादी पार्टी की तत्कालीन सरकार पर किसानों का उत्पीड़न करने की बात कही। बोले, योगी सरकार से पहले प्रदेश में किसान आत्महत्या करते थे, लेकिन अब वह ऐसा नहीं करते। हमनें उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड दिया और समाजवादी पार्टी की सरकार किसानों पर लाठी चार्ज कराती थी।

इसके पूर्व चित्रकूट में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के बाद प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही यहां पुलिस लाइन ग्राउंड हेलिकॉप्टर से पहुंचे थे। उनके स्वागत को पहुंचे सिटी मजिस्ट्रेट प्रमोद झा ने अगवानी करते हुए उनका स्वागत किया। यहां पुलिस लाइन कक्ष में पत्रकारों से बात करते हुए कृषि मंत्री शाही ने कहा कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार ने किसानों के हितों के लिए काम किया है। कार्यक्रम में शामिल होने जाते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही पहले समाजवादी पार्टी की सरकार में किसान अपनी उपज बेचने के लिए लंबी लाइन में लगे रहते थे। उन्होंने खाद भी कई दिन बाद मिलती थी। यदि किसान अपनी उपज बेच भी लेते थे तो उन्हें भुगतान के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता था। लेकिन भाजपा सरकार ने किसानों के लिए कई योजनाएं चलाकर उन्हें लाभ पहुंचाया है। कहा कि आठ साल पहले सपा सरकार में किसान परेशान होकर आत्महत्या कर लेते थे। हर महीने किसान फांसी लगाते थे, लेकिन अब ऐसी घटनाएं नहीं होतीं।

प्रदेश में फसलों की पैदावार बढ़ी है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि आज किसान परेशान नहीं हैं। इसका जीता जागता उदाहरण प्रदेश में बढ़ी पैदावार है। उन्होंने आंकड़ा बताते हुए कहा कि इस साल खाद्यान्न का उत्पादन 725 लाख मीट्रिक टन हुआ है, जिससे ये पता चलता है कि किसान को समय से सरकारी सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार हम रिकॉर्ड खरीद करने जा रहे हैं। साथ ही कहा कि इस साल से मूंगफली की एमएसपी 7263 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है।

अखिलेश को जनता ने नकारा है, आगे भी बाहर रहेंगे। अखिलेश यादव को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि मैं किसानों की बात करने आया हूं, अखिलेश से क्या लेना देना। जो खुद बाहर है और आगे भी बाहर ही रहेंगे। बोले, उन्हें जनता ने बाहर किया है।

भारत को कृषि में आत्मनिर्भर बनाने विकसित कृषि संकल्प अभियान

झांसी जयूसं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत भा.कृ.अ.प.- भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झाँसी के वैज्ञानिक दल की नो टीमें झाँसी, ललितपुर एवं जालौन के क्षेत्रीय कृषि विज्ञान केन्द्रों, राज्य के कृषि विभागों, पशुपालन, बैंक इत्यादि के साथ कृषक गोष्ठी आयोजित की। झाँसी जिले के मऊरानीपुर ब्लॉक के तीन गांवों अकसेव, तिलेरा, धमनापाएक एवं मोंठ ब्लॉक के शहाजहांपुर, चापर, भारौसा तथा बंगरा ब्लॉक के लुहारी, बुढ़ावली, देवरीसिंहपुरा गांवों में कार्यक्रम आयोजित किया गया। ललितपुर जिले के बिरधा ब्लॉक के एवनी, बछलापुर, मगरपुर एवं मडावरा ब्लॉक के बम्होरीकला, सोरई, गोराकला तथा बार ब्लॉक के टोडी, डुलावन, गदयाना गांवों में आयोजित किये गये। जालौन जिले के महेवा ब्लॉक के खल्ला, शेखपुरगुदा, सिकरी रहमानपुर एवं कोंच ब्लॉक के सतोह, चमेड, अडा तथा रामपुरा ब्लॉक के कुसेपुरा, मजीठ, जगम्मनपुर गांवों में कार्यक्रम आयोजित किये गये ।

कार्यक्रम में वर्ष पर्यन्त चारा उत्पादन व पशुपालन के साथ-साथ संपूर्ण पशु आहार और कृषि व्यवसाय से सबंधित जानकारी विस्तार से दी गई। किसानों की आय बढ़ाने के सुझाव व वर्ष भर हरा चारा फसलों के उत्पादन, दलहनी चारा तथा वैकल्पिक चारा के उत्पादन, उपयोग व संरक्षण विधियों की जानकारी दी तथा कृषकों को किसानोपयोगी लीफलेट्स प्रचार सामग्री वितरण किया।

न्यूज ब्रीफ

क्रांतिकारी लेखक व आजादी के नायकों के प्रेरणा स्रोत बिस्मिल को जयंती पर किया याद

झाँसी जयूसं। आज जिला सहकारी विकास संघ के निदेशक कुंवर लाखन सिंह अस्ता ने महान स्वाधीनता सेनानी, क्रांतिकारी लेखक व आजादी के नायकों के प्रेरणा स्रोत अमर शहीद राम प्रसाद बिस्मिल की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करतेहुए कहा कि पंडित राम प्रसाद बिस्मिल ने अपने ओजस्वी गीतों और रचनाओं से युवाओं को आजादी के आंदोलन के लिए संगठित किया और काकोरी ट्रेन एक्शन जैसे साहसी कार्यों से विदेशी शासन की नींव हिला दी। कुँ.लाखन सिंह अस्ता नेकहा कि उनकी प्रेरक कविताएँ व गीत आजादी के संघर्ष की आवाज बने। बिस्मिल जी का बलिदान राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की दिशा में भावी पीढ़ियों को दिशा दिखाता रहेगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को क्रांतिकारी लेखक श्री राम प्रसा द बिस्मिल केजीवन प्रेरणा लेने की ज रूरत है। इस दौरान राजीव पांचल, लक्ष्मी आर्य, लोकेन्द्र सिंह,श्यामसुंदर तिवारी,आदि उपस्थित रहें।

पूर्णिमा पर्व पर किया शर्बत वितरण

झांसी जयूसं। प्रेमनगर नगरा नैनागढ़ में स्थित नीलकंठेश्वर शिव शंकर जू के मंदिर पर श्रीनीलकंठेश्वर प्रेम सेवा समिति के तत्वावधान में शर्बत वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ बुंदेलखंड कुशल मंच संचालक, पं. सियारामशरण चतुर्वेदी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन हुआ। सर्वप्रथम भगवान श्री भोले बाबा व श्री राज राजेश्वरी माता का पूजन-अर्चन एवं महाआरती साहू ट्रेवल्स के संचालक सुनील साहू नगरा ने की उसके पश्चात मिष्ठान सहित शर्बत का प्रसाद लगाया गया। इस अवसर पर संदीप साहू नगरा, राजकुमार दुबे, पुष्पेंद्र दुबे, आदेश चतुर्वेदी, दिनेश तिवारी, मनोज साहू, सुनील साहू, उमाशंकर ओझा, रामचरन साहू, सतीश साहू, साहिल साहू, मनीष कुमार, अभय साहू, हिमांशु बबेले, हिर्देश चतुर्वेदी रानू महाराज, नरेश मिश्रा, दीपचंद्र, विश्वनाथ मिश्रा, चंद्रमोहन तिवारी , रामसेवक सहित आदि लोग उपस्थित रहे अंत मे आभार संदीप साहू नगरा ने किया।

मानवता के सच्चे पथ प्रदर्शक थे, संत कबीर

झांसी जयूसं। वीरांगना झलकारी बाई भारत कोरी समाज के कार्यालय पर सचिव अमीर चंद आर्य की अध्यक्षता में महान समाज सुधारक व कवि सद्गुरु कबीर साहेब का प्राकट्य दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये वक्ताओं ने कहा कि पंद्रहवी सदीं में जब सम्पूर्ण देश में अंधविश्वास,पाखंड, छूआछूत जैसी अनेक सामाजिक विषमताओं का बोलबाला था। उस समय इन सामाजिक बुराईयों के विरुद्ध शंखनाद करने वाले इस सूफी संत ने ढाई आखर प्रेम का का उद्घोष करके अपनी वाणी और कर्म के माध्यम से मानव समाज को सत्य प्रेम और भक्ति की राह पर चलने का मार्ग दिखलाया। गोष्ठी में बालकृष्ण राज, जितेन्द्र वर्मा, जुगल किशोर, राहुल वर्मा, बृजमोहन वर्मा, पवन शाक्य , आकाश व अंकित आदि ने विचार व्यक्त किये।

जगह-जगह टूटी है पाइप लाइन

झांसी जयूसं। अमृत योजना 02 के तहत बनाई गई पानी की टंकी की पाइप लाइन जो जगह जगह टूटी है और चारों तरफ पानी वह रहा गली गली लीकेज है। बड़ी पाइप लाइन आए दिन टूट रही है। कईयों जगह मोहल्लों कॉलोनियों में पाइप लाइन अभी तक डलबाई नहीं गई जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश है। मास्टर कॉलोनी निषाद नगर, बिलैया का बाग़, अन्नपूर्णा कॉलोनी, तलैया मोहल्ला, कई गलिय है जिनमे अभी तक पाइप लाइन नहीं डाली गई उक्त क्षेत्रो में जल्द से जल्द पाइप लाइन डलवाने एवं जहा जहा पानी लीकेज है उन्हें सही कराये जाने हेतु पूर्व सभासद किशोरी प्रसाद रायकवार ने प्रार्थना पत्र दिया है।

ओवर रेटिंग में आबकारी की कड़ी कार्रवाई, एक को भेजा जेल

झांसी जयूसं। आबकारी विभाग की टीम ने ओवर रेट में शराब की बिक्री करते हुए दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया। उसे जेल भेजा गया।

जनपद झांसी में राजस्व वृद्धि हेतु एवं आबकारी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी व उप आबकारी आयुक्त एवं जिला आबकारी अधिकारी झांसी के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत ओवर रेटिंग के विरुद्ध आबकारी निरीक्षक मनोज कुमार श्रीवास्तव व प्रवर्तन की संयुक्त टीम द्वारा कड़ी कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में विदेशी मदिरा दुकान दिगारा ,भगवंतपूरा बाईपास दुकान पर उपस्थित विक्रेता द्वारा ओवर रेट में शराब की बिक्री किए जाने पर इसके विरुद्ध सुसंगत धाराओं में थाना सदर बाजार में अभियोग पंजीकृत कराते हुए विक्रेता को जेल भेजा गया। ओवररेट के खिलाफ यह कार्रवाही निरंतर जारी रहेगी।

डीएम के निर्देशों का दिखा असर, चिकित्सकों ने किया टीकाकरण का सत्यापन

देश के भविष्य को स्वस्थ्य ,समृद्ध बनाने में अपना योगदान दें, टीकाकरण अवश्य कराएं : डीएम

झांसी जयूसं। विगत वर्षों में प्रदेश/जनपद की स्वास्थ्य सुविधाओं एवं टीकाकरण के स्तर में लगातार व्यापक सुधार हुआ है बच्चों के सत्र प्रतिशत पूर्ण प्रतिरक्षण के लिए अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता है। टीकाकरण से वंचित बच्चों और महिलाओं को प्रतिरक्षित करने के उद्देश्य के लिए टीकाकरण अनिवार्य है। उक्त उद्गार जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने कलेक्ट्रेट में जनता दर्शन के दौरान उपस्थित जनों एवं अधिकारियों के समक्ष व्यक्त किए। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी के निर्देश पर जनपद में टीकाकरण प्रगति में सुधार लाए जाने के लिए आज डॉक्टर रविशंकर, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बंगरा का निरीक्षण किया। इस टीकाकरण के माध्यम से गर्भवती महिलाओं तथा 0 से 05 वर्ष तक के बच्चों को 12 विभिन्न जानलेवा बीमारियों यथा- तपेदिक, गलघोंटू, टिटनेस, काली- खांसी, इन्फ्लूएंजा, हेपेटाइटिस बी, खसरा, रूबेला, दिमागी बुखार (जापानी एन्सेफलाइटिस), निमोनिया, पोलियो एवं रोटा वायरस जनित डायरिया से बचाव हेतु पूर्णतः प्रतिरक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

निरीक्षण के दौरान डॉ. रविशंकर ने गर्भवती महिलाओं से कहा कि टीकाकरण पूरी तरह सुरक्षित, अत्यन्त प्रभावी एवं गर्भवती महिलाओं और बच्चों में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला है। इसलिए टीकाकरण को अपनाने की आवश्यकता है। प्रत्येक बच्चे को सभी टीकों की सभी खुराकें सही समय पर दी जानी आवश्यक हैं। मीजिल्स, रूबेला जैसी गंभीर बीमारियों के उन्मूलन के लक्ष्य के दृष्टिगत टीकाकरण और भी आवश्यक हो जाता है।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि सप्ताह के प्रत्येक दिवसों में आंगनबाड़ी केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो एवं जिला चिकित्सालयों में इन बीमारियों से सम्बंधित सभी टीके निःशुल्क लगाये जायेगें। अन्य स्थानो पर होने वाली टीकाकरण की जानकारी के लिए अपने क्षेत्र की आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री से सम्पर्क करें। इस अवसर पर डीएमसी आदित्य जायसवाल, जिला कोल्ड चेन मैनेजर गौरव वर्मा सहित अन्य चिकित्सक एवं गर्भवती महिलाएं उपस्थित रहीं।

नव प्रतिष्ठित प्रतिमाएं हुईं विराजमान, 16 दिवसीय श्री शांतिनाथ विधान संपन्न

झांसी जयूसं। सिविल लाइन स्थित श्री चंद्रप्रभु जिनालय में चल रहे शुक्ल पक्ष के 16 दिवसीय श्री शांतिनाथ विधान का आज 16 वें दिन अपूर्व श्रद्धा भक्ति पूर्वक समापन हुआ। इस 16 दिवसीय विधान के द्रव्य दान का पुण्यार्जन श्रीमती रीता आदित्य ने किया। विशिष्ट फलदाई श्री शांतिनाथ विधान के दौरान महिलाओं ने विशेषरूप से बढ़चढकर हिस्सा लिया। इसके पूर्व भोपाल में हुए पंच कल्याणक समारोह में राजेश जैन, सुधीर जैन -बघेरा परिवार द्वारा प्रतिष्ठित करवाई गई। भगवान आदिनाथ व शांतिनाथ की नवप्रतिष्ठित प्रतिमायें राजीव जैन अहिंसा के नेतृत्व में विमान जी में विराजमान कर ढोल नगाड़ों के साथ श्री चंद्रप्रभु जिनालय लाई गई, जहां पं. विनोद शास्त्री बबीना व पं गजेंद्र शास्त्री के निर्देशन में याग मंडल विधान के साथ नवदाभक्ति पूर्वक नवीन प्रतिमाये वेदिका पर विराजमान की गई। इस अवसर पर आर .के जैन , अजित मामा, प्रदीप छतरपुर, डॉ. उदय जैन, डॉ. जिनेंद्र, आर. के जै, प्रबुद्ध जैन, राजेश जैन, सुधीर जैन, राजीव शिवाजी, नीलेश मोदी, मनीष चंदेरी, सरिता जैन, प्रतिभा जैन, दीप्ति जैन, सुषमा, मनीषा बुखारिया, सुनीता शिवाजी, श्रीमती संतोष जैन, विद्या जैन, सुलोचना, नीलम, सरोज जैन, लता जैन, मधु मोदी, अंजू जैन, मंजू जैन, नीरू जैन आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजीव जैन - अहिंसा ने एवं आभार प्रभात जैन ने व्यक्त किया।

विशिष्ट फलदायी 16 दिवसीय श्री शांतिनाथ विधान श्रद्धा भक्ति पूर्वक संपन्न

झांसी जयूसं। गांधीरोड स्थित श्री बड़े मंदिर में जैन महिला मंडल के तत्वाधान में चल रहे शुक्ल पक्ष के 16 दिवसीय श्री शांतिनाथ विधान का आज 16 वें दिन अपूर्व श्रद्धा भक्ति पूर्वक संपन्न हुआ।

आरंभ में नित्य अभिषेक, शांतिधारा व आरती उपरांत शांति विधान किया गया जिसमें अनेकों जैन श्रावक-श्राविकाओं ने विधान में अर्घ्य समर्पित किए अंत में सुख समृद्धि व विश्वशांति की अपेक्षा से हवन कर विसर्जन किया गया। आयोजन पं. विनोद शास्त्री जी बबीना के सान्निध्य में संपन्न हुआ। यह 16 दिवसीय आयोजन महिला जैन समाज अध्यक्षा श्रीमती सरोज जैन के नेतृत्व व रजनी जैनको के संयोजन में द्वारा विधि विधान पूर्वक संपन्न हुआ, प्रत्येक दिन अलग अलग साधर्मियों ने द्रव्य सामग्री दानकर विधान का पुण्यार्जन किया, विशेष रूप से समाज की महिलाओं ने बढ़ चढकर सहभागिता की। इस अवसर पर शिखर चंद्र , सिंघई राकेश, देवेंद्र जैन, संजय जैन , आलोक जैन -सम्यक भंडारी, सावन जैन, शुभम जैन, कमलेश भंडारी, विमलेश जैन, अलका टड़ैया, रीना जैन, मिथलेश जैन, संगीता, सुधा सराफ, श्रीमती देवी जैन, डा राखी जैन, श्रीमती सुशीला भंडारी, कुसुम ,सावित्री जैन, चंद्रप्रभा, किरण, कल्पना सिंघई, रंजना, अंतिम माला, आदि मौजूद रही। अंत में रजनी सुनील जैनको ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी